राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार, 01 फ़रवरी-2022 वर्ष-4,अंक-369 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कानपुर: दर्दनाक सड़क हादसा

अनियंत्रित इलेक्ट्रिक बस ने 17 को मारी टक्कर, छह की मौके पर ही मौत

कानपुर। टाटमिल चौराहे के पास बेकाबू ई बस ने बारी-बारी 17 वाहनों को टक्कर मार दी। इस भयंकर हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक दर्जन घायल बताए जा रहे हैं। सात लोगों को पास के कृष्णा अस्पताल और चार को हैलट में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद भागने के चक्कर में बस चौराहे के पास डंपर से टकरा गई। इस बीच मौका पाते ही चालक भाग निकला। घंटाघर से सिटी ई-बस टाटमिल की ओर जा रही थी। हैरिसगंज रेलवे पुल से उतरते ही ई बस कृष्णा अस्पताल के पास गलत लेन में चली गई। उसी लेन से टाटमिल से घंटाघर की ओर ट्रैफिक पास हो रहा था। फुल स्पीड से जा रही बस दो कार, 10 बाइक व स्कूटी, दो ई-रिक्शा और तीन टेंपों में टक्कर मारते हुए टाटमिल की ओर निकल गई।

बस की टक्कर से मौके पर चीख पुकार मच गई। कोई इधर गिरा तो कोई दूसरी ओर। बस की स्पीड इतनी थी कि बाइक से आ रहे लोगों को रौंदते हुए बस टाटमिल तक पहुंच गई। यहां हाईवे से गुजर रहे डंपर से टकरा गई। बस रुकते ही चालक मौके से भाग निकला। हादसे में लाटूश रोड निवासी शुभम सोनकर (26), ट्विंकल सोनकर (25)

बेकनगंज निवासी अरसलान (24) की मौत हो गई। तीन मृतकों की देर रात तक पहचान नहीं हो पाई। धनकुट्टी निवासी व्यापारी दिनेश शुक्ला (51), दिनेश के बहनोई राजेश त्रिपाठी (57), दिनेश की पत्नी आरती अंजली मिश्रा, बहन नीलू त्रिपाठी (54) समेत 11 लोग घायल हो गए। दिनेश कार में बैठे थे तथा राजेश चला रहे थे। दिनेश समेत परिवार के सभी को कृष्णा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

संक्षिप्त खबरें

ओमप्रकाश का यू टर्न: वाराणसी की शिवपुर नहीं, अपनी परंपरागत सीट जहूराबाद से लड़ेंगे

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने वाराणसी की शिवपुर सीट से चुनाव लड़ने का अपना इरादा बदल दिया है। अब वह अपनी परंपरागत सीट जहूराबाद से चुनाव लड़ेंगे। पिछले चुनाव में भी ओमप्रकाश इसी सीट से निर्वाचित हुए थे। शिवपुर सीट से अब ओमप्रकाश के बेटे अरविंद राजभर उम्मीदवार होंगे। गौरतलब है कि इस सीट पर राजभर परिवार के मुकाबले सिटिंग एमएलए और कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर भाजपा के उम्मीदवार हैं। ओमप्रकाश राजभर के यहां से चुनाव लड़ने के ऐलान की वजह से पिछले कुछ समय से राजनीतिक गलियारों में शिवपुर सीट की लगातार चर्चा हो रही थी। अनिल राजभर ने भी बयान दिया था कि ओमप्रकाश राजभर यहां से चुनाव लड़ते हैं तो उनकी जमानत जब्त हो जाएगी। अपनी प्रेस कांफ्रेंस में ओमप्रकाश राजभर ने पांच अन्य टिकटों का भी ऐलान किया। संडीला से प्रदेश अध्यक्ष सुनील अर्कवंशी, सीतापुर के मिश्रिख से मनोज राजवंशी और बहराइच के बलहा से महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महासचिव ललिता पासवान को चुनाव लड़ाने का ऐलान उन्होंने किया। ओमप्रकाश राजभर ने आरोप लगाया कि भाजपा में 90 फीसदी प्रत्याशियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

उन्होंने चुनाव आयोग पर निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर काम करने का भी आरोप लगाया। ओमप्रकाश राजभर की आज कुल पांच सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं।

बिक्रम सिंह मजीठिया को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत, गिरफ्तारी पर 23 फरवरी तक रोक लगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से शिरोमणि अकाली दल (रअऊ) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने 23 फरवरी तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। साथ ही कोर्ट ने मजीठिया को 23 फरवरी को ही संबंधित ट्रायल कोर्ट में सरेंडर करने और ड्रग मामले में जमानत के लिए आवेदन करने को कहा है। इससे पहले पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट ने मजीठिया की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, लेकिन उन्हें गिरफ्तारी से तीन दिन की राहत दी थी ताकि वह आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकें। अदालत ने देश नहीं छोड़ने सहित कुछ शर्तें भी लगाई थीं। मालूम हो कि मजीठिया शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के साले और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल के भाई हैं। मजीठिया के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज है। वह मादक पदार्थ मामले में आरोपी हैं। इस मामले में राज्य की अपराध शाखा ने मोहाली पुलिस थाने में 49 पन्नों की प्राथमिकी दर्ज की थी। दरअसल, 2013 में 6,000 करोड़ रुपये के ड्रग्स रैकेट का पदार्फाश हुआ था। ह मजीठिया का नाम लिया था। मजीठिया ने पिछले बुधवार को पंजाब की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया था कि वह उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने से रोकने का प्रयास कर रही है। मजीठिया ने चुनाव आयोग से अपील की कि वह हाई कोर्ट के दिशानिर्देश का उल्लंघन करने, उनके आवास पर छापा मारने और उनके परिवार को परेशान करने के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराए।

उद्धव ठाकरे सरकार के विरोध में उतरे अन्ना हजारे

शराब को लेकर फैसले पर जताया ऐतराज

मुम्बई। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने महाराष्ट्र सरकार के सुपरमार्केट में शराब की बिक्री की अनुमति देने के फैसले का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने ठाकरे सरकार के इस फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। अन्ना हजारे ने ये भी कहा कि सरकार के इस फैसले से लोगों में शराब की तल लगेगी। ज्ञात हो कि कुछ दिन पहले महाराष्ट्र सरकार ने सुपरमार्केट और वॉक-इन स्टोर्स को ग्राहकों को शराब बेचने की अनुमति दी थी। गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। राज्य सरकार ने कहा कि इस कदम से शराब उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और यह सुनिश्चित होगा कि किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिले। हालांकि सरकार के इस फैसले की कई लोग आलोचना कर रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने सोमवार को कहा, ₹सुपरमार्केट में शराब की बिक्री की अनुमति देने का महाराष्ट्र सरकार का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। नशामुक्ति की दिशा में काम करना सरकार का कर्तव्य है, लेकिन मुझे यह देखकर दुख होता है कि यह वित्तीय लाभ के लिए निर्णय ले रही है, जिसके परिणामस्वरूप शराब की लत लगेगी।₹ वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने सुपरमार्केट में शराब की बिक्री की अनुमति देने के राज्य सरकार के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, ₹यह फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर हम किसानों के हितों की ही देखभाल करना चाहते हैं, तो हमें उनकी फसलों के लिए गारंटीकृत मूल्य देना होगा। अन्ना हजारे ने कहा, ₹एक तरफ राज्य सरकार कह रही है कि किसानों के हित में फैसला लिया गया है। यह भी कहा जाता है कि वाइन शराब नहीं है। ऐसा फैसला इस राज्य को कहां ले जाएगा? यह असली सवाल है। वास्तव में संविधान के अनुसार सरकार का यह कर्तव्य है कि वह लोगों को नशे, नशीली दवाओं और शराब से हतोत्साहित करे और लोगों को प्रचारित और शिक्षित करे। यह देखकर दुख होता है कि सिर्फ आर्थिक लाभ के लिए शराब बेचने के फैसले लिए जा रहे हैं। एक साल में 1000 अरब लीटर शराब बेचने का लक्ष्य रखने वाली सरकार वास्तव में क्या हासिल करेगी?

चवन्नी नहीं जो पलट जाऊं: 'जयंत चौधरी अभी बच्चे', पिता की याद दिला बीजेपी का आरएलडी चीफ पर पलटवार

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ओर से मिले न्योते को ठुकराने वाले जयंत चौधरी पर अब भगवा दल ने जोरदार पलटवार किया है। राष्ट्रीय लोकदल के प्रमुख की ओर से यह कहे जाने पर कि 'चवन्नी नहीं जो पलट जाऊं' बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि वह बच्चे हैं। प्रधान ने उनके पिता के बार-बार पार्टी बदलने की याद दिलाते हुए कहा कि उनका इतिहास ज्ञान बेहद कमजोर है। केंद्रीय मंत्री ने उन्हें बच्चा बताते हुए माफ करने की बात कही। प्रधान ने आगरा में कहा, "जयंत के बारे में जितना कम कहा जाए उतना अच्छा। वह (जयंत चौधरी) बच्चे हैं, वह मैदान में नए आए हैं। उनके पिता ने कितनी बार पार्टी बदली। जब वह पहली बार चुनाव लड़े तो किसके साथ गठबंधन था। मुझ नहीं पता था कि उनका इतिहास ज्ञान इतना कमजोर है। बच्चों को माफ कर देना चाहिए।" हाल ही में दिल्ली में जाट नेताओं से मुलाकात के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि जयंत चौधरी ने गलत घर का चुनाव कर लिया है और चुनाव बाद भी बीजेपी का दरवाजा उनके लिए खुला हुआ है। जयंत चौधरी ने बीजेपी के इस न्यौते को ठुकराते हुए कहा था कि वह चवन्नी नहीं हैं जो पलट जाएं। इसके बाद शाह ने एक जनसभा में यह भी कहा कि चुनाव बाद अखिलेश यादव जयंत चौधरी का साथ छोड़ देंगे। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के बेटे चौधरी अजित सिंह ने साल 1980 में राजनीतिक सफर का आगाज किया था। पिछले साल कोरोना की वजह से निधन से पहले करीब तीन दशक के लंबे राजनीतिक सफर में उन्होंने कई बार अलग-अलग दलों से गठबंधन किया।

पीएम ने कहा- जब दंगे हो रहे थे तो वो लोग जश्न मना रहे थे

ऐसे दंगाइयों को जनता सत्ता में आने नहीं देगी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली वर्चुअली चुनावी रैली में योगी सरकार की उपलब्धियां और योजनाएं गिनाईं। इसके साथ ही विपक्ष पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने शामली, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बागपत और गौतमबुद्ध नगर की 21 विधानसभा क्षेत्रों की जनता को वर्चुअली संबोधित कर पार्टी प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भाजपा प्रदेश मुख्यालय में स्थापित वर्चुअल स्टूडियो से रैली में शामिल रहे। पीएम को सुनने के लिए नोएडा समेत तमाम जिलों में काफी संख्या में भाजपा समर्थक मौजूद रहे। जानिए क्या बोले पीएम... पीएम ने कहा कि कोई भूल नहीं सकता है कि यूपी को लेकर क्या चर्चा होती थी। पांच साल पहले दबंग और दंगाई ही कानून चलाते थे। उनका ही शासन चलता था। बेटियां घर से बाहर निकलने में डरती थीं। माफिया सरकारी संरक्षण में घूमते थे। पश्चिमी यूपी के लोग कभी नहीं भूल सकते कि जब दंगे हो रहे थे तो तत्कालीन सरकार जश्न मना रही थी। लोगों के पलायन की आए दिन खबर आती थीं। अपहरण, फिरौती की घटनाओं ने लोगों को बर्बाद करके रख दिया था। पांच साल में योगी सरकार यूपी को इन हालातों से बाहर निकालकर लाई है। मैं भी एक राज्य का मुख्यमंत्री रहा हूं। आज यूपी का किसान हो, कर्मचारी हो व्यापारी हो या फिर माताएं और बेटियां, सभी को सम्मान मिल रहा है। पीएम बोले, मैं ये देखकर खुश हूं कि लोग इन दंगाई सोच के लोगों से काफी सतर्क हैं। जनता इन लोगों के वो दिन वापस नहीं लाना चाहती। जनता ने ये ठान लिया है कि भाजपा को पहले से ज्यादा मतों से विजयी बनाएंगे। हमारा काम और उनके कारनामे देखकर यूपी की जनता भाजपा को भरपूर साथ देने जा रही है। जो मतदाता पहली बार वोट डालने जा रहे हैं उन्होंने निर्णय कर लिया है कि यूपी को फिर से दंगाइयों के हवाले नहीं करना है। नोएडा से जुड़े अंधविश्वास को लेकर पीएम ने विरोधियों पर हमला बोलते हुए कहा, वो नेता जो नोएडा आने से डरते हैं, वैज्ञानिकों पर भरोसा नहीं करते वो युवाओं और यूपी का विकास नहीं कर सकते। यूपी को विकास पथ पर ले जाने का काम भाजपा ही कर रही है और भाजपा ही कर सकती है। यूपी में विकास के पांच साल में जो काम हुए हैं उनके पीछे युवाओं के सपने हैं। बीते वर्षों में जो भी योजनाएं भाजपा सरकार ने लागू की हैं, उनका सभी को लाभ मिला है। ऐसा ही भारत बाबा साहब भीमराव आंबेडकर देखना चाहते थे। ऐसा ही सपना चौधरी चरण सिंह जी देखते थे। गरीबों की भाजपा सरकार ने कैसे काम किया है उसका उदाहरण गरीबों के पक्के घर हैं, पिछली सरकार ने पांच साल में 73 घर बनाए थे। जब दंगे हो रहे थे तो वो लोग जश्न मना रहे थे, ऐसे दंगाइयों को जनता सत्ता में आने नहीं देगी। यूपी सरकार जो भी कर रही है उसका सबसे ज्यादा लाभ दलितों पिछड़ों और वंचितों को हो रहा है। माताओं और बेटियों को सरकार की योजनाओं का सबसे अधिक लाभ मिल रहा है। तीन तलाक पर कानून बनाकर सरकार ने मुस्लिम बेटियों को उनका हक दिया है। उनके सपने पूरे करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

यूपी चुनाव: करहल सीट से अखिलेश यादव ने दाखिल किया अपना नामांकन पत्र

मैनपुरी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को तीन सैट में अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। अखिलेश यादव के पहली बार करहल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के कारण यह सीट वीआईपी सीट में शामिल हो गई है। अखिलेश यादव दोपहर 12:35 बजे कलक्ट्रेट पहुंचे और अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। समाजवादी रथ से कलक्ट्रेट पहुंचे अखिलेश यादव बैरियर नंबर एक पहुंचे और पार्टी के विधायकों व प्रस्तावकों के साथ पैदल ही एडीएम कक्ष हुए। अखिलेश यादव के आने से पहले सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव, एमएलसी अरविंद प्रताप यादव कलक्ट्रेट पहुंच गए थे। उनके साथ सपा के सदर सीट से प्रत्याशी राजकुमार यादव, भोगांव सीट से प्रत्याशी आलोक शाक्य, किशनी सीट से प्रत्याशी बृजेश कठेरिया, सपा के जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव भी नामांकन कक्ष में अखिलेश के साथ मौजूद थे।

कांग्रेस ने खुशी दुबे की मां को कल्याणपुर व मुनव्वर राना की बेटी को पुरवा से बनाया उम्मीदवार

लखनऊ। कांग्रेस ने यूपी में छह और उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस ने बिकरू कांड में मारे गए अमर दुबे की पत्नी खुशी दुबे की मां गायत्री तिवारी को कानपुर की कल्याणपुर सीट से उम्मीदवार घोषित किया है।

इसके साथ ही मशहूर शायर मुनव्वर राना की बेटी उरुषा राना को उन्नाव जिले की पुरवा विधानसभा सीट से प्रत्याशी घोषित किया गया है। लखनऊ उत्तर, पूर्व और पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से भी प्रत्याशी किए घोषित कर दिए हैं। जो नाम सामने आए हैं उससे कई दावेदारों को झटका लगा है। लखनऊ पश्चिम से अजय श्रीवास्तव टिकट मांग रहे थे इन्हें उत्तर में भेजा गया है। पश्चिम में शहाना सिद्दीकी को टिकट दिया गया है। इस टिकट के बाद शहर में कांग्रेस की तीन महिला प्रत्याशी हो गई हैं। पंकज तिवारी को लखनऊ पूर्व से प्रत्याशी बनाया गया है। पुरवा विधानसभा क्षेत्र से उरुषा राणा प्रत्याशी हैं। लंभुआ से विनय विक्रम सिंह और कल्याणपुर से गायत्री तिवारी उम्मीदवार हैं।

यूपी में 2004 के बाद चुने गए 1544 सांसद-विधायकों में से 39 फीसदी दागी, 4.60 करोड़ इनकी औसत संपत्ति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2004 से हुए चार लोकसभा चुनावों व तीन विधानसभा चुनावों में चुने गए 1544 सांसद-विधायकों में से 39 फीसदी दागी हैं और इनमें भी 25 फीसदी के ऊपर गंभीर मामले हैं। इनकी औसत सम्पत्ति 4.60 करोड़ रुपये है। एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) की ताजा रिपोर्ट में ये तथ्य सामने आए हैं। इनमें 940 ही ऐसे सांसद-विधायक हैं, जिनकी छवि बेदाग है। उप्र इलेक्शन वॉच और एडीआर ने 2004, 2009, 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव और 2007, 2012 और 2017 के विधानसभा चुनावों के प्रत्याशियों व जीते सांसद व विधायकों के शपथपत्रों के आधार पर ये रिपोर्ट जारी की है। इसमें 21229 प्रत्याशियों और सांसदों/ विधायकों का विश्लेषण शामिल है।

इन चुनावों में 1544 सांसद व विधायक जीते थे। विश्लेषण में पाया गया कि संसद और विधानसभा के 21229 प्रत्याशियों में से 3739 ((18 प्रतिशत) उम्मीदवारों के ऊपर आपराधिक मामले थे जिसमें से 2299 (11 प्रतिशत) उम्मीदवारों के ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित है। भले ही चुनावों में बाहुबल या धनबल की आलोचना की जाए लेकिन विवरण देखा जाए तो बेदाग छवि के साथ चुनाव जीतने की संभावना पांच फीसदी ही होती है। महिला व पुरुष विधायकों-सांसदों की सम्पत्ति की तुलना करें तो पुरुष प्रतिनिधियों की औसतम सम्पत्ति 4.21 करोड़ रुपये है तो महिला विधायक-सांसदों की औसत सम्पत्ति 8.31 करोड़ हैं। वर्ष 2004 से अब तक कुल 21229 उम्मीदवारों में से केवल 1641 यानी आठ फीसदी महिला प्रत्याशी रहीं। दागी में महिला नेता भी कम नहीं। वर्ष 2004 से अभी तक चुनी गई 147 महिला विधायक-सांसदों में से 38 यानी 26 फीसदी दागी हैं। वहीं 41 फीसदी दागी पुरुष विधायक-सांसद चुने गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। - हरिवंश राय बच्चन

संपादकीय

टला नहीं संकट

यह धारणा शायद बीते वर्ष में ही रह गई कि कोविड-19 से सुरक्षा में तीसरी खुराक (बूस्टर डोज) बहुत प्रभावी होगी। खासकर ओमीक्रोन के बाद तो कुछ देश चौथी खुराक भी देने लगे हैं। क्या पांचवीं, छठी व उसके बाद भी खुराक की जरूरत पड़ेगी? एक के बाद एक खुराक ली जाए, क्या यह व्यावहारिक है? क्या ये टीके बार-बार देने के लिए बनाए गए हैं? ज्यादातर वैज्ञानिक मानते हैं कि बार-बार टीके देने की यह रणनीति व्यावहारिक नहीं है। इंपीरियल कॉलेज, लंदन के प्रतिरक्षा विज्ञानी डैनी ऑल्टमैन का कहना है कि 'हम टीकाकरण के मोर्चे पर पूरी तरह से अनजान क्षेत्र में हैं। हम एक आपातकालीन उपाय के रूप में लगातार एमआरएनए बूस्टर के वास्तविक कार्यक्रम में झटके खा चुके हैं। यह वास्तव में आगे का रास्ता नहीं लगता है।' इजरायल के क्लैलिट हेल्थ इंस्टीट्यूट के सार्वजनिक स्वास्थ्य चिकित्सक रैन बालिसर कहते हैं, जनवरी की शुरुआत में इजरायल ने वृद्धों, कमजोर लोगों और स्वास्थ्यकर्मियों को चौथी खुराक देने की शुरुआत कर दी है। इस हफ्ते आए इजरायल के प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि चौथी खुराक संक्रमण और गंभीर बीमारी के जोखिम को कम करती है। हालांकि, आने वाले दिनों में जब और आंकड़े आएंगे, तब स्थिति ज्यादा स्पष्ट होगी। बूस्टर डोज को लेकर शोधकर्ताओं में बहस तेज हो गई है। कोविड-19 का हमला और उसके नए-नए प्रकार का सामने आना, कुछ इतनी जल्दी में हो रहा है कि वैज्ञानिक साफ तौर पर कुछ बता नहीं पा रहे हैं। इलाज की राह में उन्हें जहां भी कुछ संभावना लग रही है, हाथ-पांव मार रहे हैं। संक्रमण को रोकना बड़ी चुनौती है और वायरस के नए-नए प्रकार लगातार तनाव बढ़ाए चले जा रहे हैं। एक बड़ा तनाव यह भी है कि दो खुराक ले चुके लोगों में भी संक्रमण क्यों देखा जा रहा है? क्या बूस्टर भी लंबे समय तक संक्रमण को रोकने में नाकाम हो रहे हैं? फिक्र इसलिए बढ़ जाती है, क्योंकि कोई भी वैज्ञानिक गारंटी देने की स्थिति में नहीं है। इजरायल में पिछले वर्ष जून व नवंबर के बीच जुटाए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि बूस्टर डोज के एक तिहाई मामलों में प्रतिरक्षा कुछ ही महीने में कम हो जा रही है। यह दुखद है, जब कई देशों में लोगों को पहली खुराक भी नहीं लगी है, तब इजरायल, चिली, कंबोडिया, डेनमार्क व स्वीडन जैसे देश चौथी खुराक पर पहुंच रहे हैं। चार खुराक से भी एंटीबॉडी का स्तर बढ़ता है या नहीं, यह देखा जाना बाकी है। बोलिसर कहते हैं, 'अंतहीन बूस्टर खुराक देने के बजाय महामारी को धीमा करने का एक बेहतर तरीका नए टीकों को विकसित करना होगा। ऐसे टीके बनाने पड़ेंगे, जो लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान कर सकें। ओमीक्रोन-विशिष्ट टीकों पर पहला डाटा आगामी महीने में आने की उम्मीद है। हालांकि, अभी भी एक व्यापक कारगर टीके के लिए हमें इंतजार करना पड़ सकता है। क्या हम ऐसी कोई एक वैक्सीन खोज पाएंगे? कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी सांताक्रूज में रोग पारिस्थितिकीविद् मॉर्म किलपैट्रिक कहते हैं, 'वायरल विकास से निपटने के दौरान हमेशा अनिश्चितता होती है।' न्यूजीलैंड की ओटागो यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विशेषज्ञ पीटर मैकइंटायर का तर्क है कि जब तक हमारे पास नए टीके नहीं हैं, दूसरे उपायों और एंटीवायरल दवाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए।

आज के कार्टुन

प्रणिधान

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रणिधान का अर्थ है-धारण करना, स्थापित करना। ईश्वर प्रणिधान अर्थात ईश्वर को धारण करना, ईश्वर को स्थापित करना। परमात्मा हमारे हृदयों में विराजमान है। गीता कहती है-ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति। अर्थात हे अर्जुन! ईश्वर सब प्राणियों के हृदय में बैठा हुआ है। सर्वव्यापक परमात्मा हर एक के रोम-रोम में रम रहा है। फिर भी मनुष्य उसे भूला हुआ है। कहने को तो लोग ईश्वर को जानते भी हैं और मानते भी हैं, पर व्यवहार में उसका एक प्रकार से बहिष्कार ही कर देते हैं। पुलिस सर्वव्यापक नहीं है, तो भी उससे जितना डरते हैं उतना ईश्वर से नहीं डरते। अमीरों में उतनी उदारता नहीं होती, तो भी अमीरों या अफसरों का जितना आदर करते हैं, उतना ईश्वर का नहीं करते। स्त्री का प्यार सच्चा और स्थायी नहीं होता, तो भी जितना प्यार अपनी स्त्री से करते हैं उतना ईश्वर से नहीं करते। बेटे के ब्याह में जितना खर्च कर देते हैं उससे चौथाई भी ईश्वर के निमित्त नहीं लगाते। यदि सच्चाई के साथ देखा जाए तो ईश्वर को एक बहुत ही गौण स्थान दिया जाता है। या तो धन, सम्पदा, बेटा, पोता, जीत, स्वास्थ्य, विद्या, बुद्धि, स्वर्ग, मुक्ति आदि प्राप्त करने के लिए ईश्वर को टटोलते हैं या कोई विपत्ति आ जाने पर छुटकारे के लिए उसे पुकारते हैं। अध्यात्म विद्या का जो लोग शोध कर रहे हैं, राजयोग की साधना के लिए यम-नियमों की जो साधना करना चाहते हैं, उन्हें ईश्वर प्रणिधान का तत्त्वज्ञान भली प्रकार समझना होगा और बुद्धिपूर्वक उस पर आरूढ़ होना होगा। योग के आठ अंगों में से द्वितीय अंग नियम का पांचवां नियम ईश्वर पूजा नहीं वरन ईश्वर प्रणिधान है। परमात्मा की हृदय में स्थापना करना, उसे हर घड़ी अपने साथ देखना, रोम-रोम में उसका व्यापकत्व अनुभव करना यह ईश्वर प्रणिधान का चिह्न है। मंदिर में मूर्ति की स्थापना की जाती है तो उसकी पूजा के लिए पुजारी नियत करना पड़ता है जो यथासमय सारी पूजापत्री किया करे। पुजारी अन्य कार्य भी करता है, पर प्रतिमा के भोग, स्नान, शयन, आरती आदि का ध्यान विशेष सावधानी के साथ रखता है। ईश्वर प्रणिधान में ईश्वर की प्रतिमा का हृदय में, अंतःकरण में स्थापित करनी होती है और उसे चौबीस घण्टे का साथी बनाना पड़ता है। पुजारी का प्रधान कार्य प्रतिमा की पूजा है।

MSP को लेकर बड़ी घोषणा कर सकती है सरकार

– प्रह्लाद सबनानी

कोरोना महामारी के दौरान केवल कृषि क्षेत्र ही एक ऐसा क्षेत्र रहा था जिसने विकास दर हासिल की थी अन्यथा उद्योग एवं सेवा क्षेत्र ने तो ऋणात्मक वृद्धि दर हासिल की थी। देश की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी आज भी गांवों में निवास कर रही है एवं इस समूह को रोजगार के अवसर मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र ही उपलब्ध करवाता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि उत्पादन का हिस्सा 16 से 18 प्रतिशत के आसपास रहता है एवं अब यह धीमे-धीमे बढ़ रहा है। देश में उद्योगों को प्राथमिक उत्पाद भी कृषि क्षेत्र ही उपलब्ध कराता है। इस प्रकार यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होनी चाहिए कि कृषि क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का मूलभूत आधार है। इसी कारण से कृषि और किसान कल्याण संबंधी योजनाएं हमेशा ही केंद्र सरकार की प्राथमिकता में रही हैं। केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि देश का किसान आर्थिक रूप से मजबूत एवं सम्पन्न हो। हाल ही के समय में किसानों द्वारा उत्पादित कृषि पदार्थों की लागत बढ़ी है इसका मुख्य कारण डीजल, खाद एवं बीज के दामों में हुई तेज वृद्धि है। उक्त कारणों से कृषि क्षेत्र को वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट से बहुत उम्मीदें हैं। केंद्र सरकार पिछले कुछ वर्षों से लगातार प्रयास करती रही है कि वर्ष 2022 तक किसानो की आय दुगुनी हो जाए। परंतु पिछले दो वर्षों के दौरान कोरोना महामारी के चलते हालांकि केंद्र सरकार की प्राथमिकताएं कुछ बदली हैं परंतु फिर भी कृषि क्षेत्र की ओर केंद्र सरकार का ध्यान लगातार बना रहा है और धान, गेहूं एवं अन्य कृषि पदार्थों के समर्थन मूल्य में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की गई है फिर भी कोरोना महामारी के कारण किसानों की आय दुगनी करने सम्बंधी लक्ष्य को हासिल नहीं किया जा सका है। विश्व में सभी देशों की अर्थव्यवस्थाएं पांच छह साल पीछे पहुंच गईं हैं। लेकिन भारत में ऐसा नहीं हुआ है, कृषि क्षेत्र तो इस काल में भी वृद्धि दर्ज करता रहा है। अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि केंद्र सरकार वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट के माध्यम से कृषि पदार्थों के समर्थन मूल्य योजना पर विशेष घोषणा कर सकती है। भारतीय किसान यदि परम्परागत कृषि पदार्थों यथा गेहूं एवं धान की खेती से इतर कुछ अन्य पदार्थों यथा फल, सब्जी, तिलहन, दलहन आदि की खेती को बढ़ाता है तो यह किसान एवं देश को कृषि के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने में मदद कर सकता है। आज देश में खाद्य तेलों की कुल खपत का लगभग 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करना होता है क्योंकि प्रति व्यक्ति खाद्य तेल का उपयोग देश में बहुत बढ़ा है और इस प्रकार तिलहन की पैदावार को बढ़ाया जाना अत्यंत आवश्यक है। हालांकि इस ओर केंद्र सरकार का ध्यान गया है एवं इस वर्ष रबी के मौसम में देश में तिलहन का बुवाई क्षेत्र काफी बढ़ा है। तिलहन के रकबे में 18.30 लाख हेक्टेयर की भारी बढ़ोतरी हुई है। पिछले वर्ष की समान अवधि में 82.86 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में तिलहन की बुवाई की गई थी जो इस वर्ष बढ़कर 101.16 लाख हेक्टेयर में हुई है। दलहनी फसलों के रकबे में भी 1.47 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। चने का रकबा तो 4.25 लाख हेक्टेयर से बढ़ा है। पिछले वर्ष की समान अवधि में दलहनी फसलों का रकबा 162.88 लाख हेक्टेयर रहा था जो इस वर्ष बढ़कर 164.35 लाख हेक्टेयर हो गया है। अब तो देश में कई ऐसे कृषि पदार्थ हैं जिनका देश में कुल खपत की तुलना में बहुत अधिक उत्पादन हो रहा है। अतः इन पदार्थों के निर्यात को आसान बनाए जाने की भी जरूरत है ताकि किसानों को उनकी फसलों के उचित दाम मिल सके एवं इससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। इसके लिए कृषि उत्पादों के ग्रेडिंग किए जाने की सख्त आवश्यकता है जिसके चलते छोटे-छोटे किसान भी अपने कृषि उत्पादों का सीधे ही अन्य देशों को निर्यात कर सकते हैं। भारत आज पूरे विश्व को डॉक्टर एवं इंजीनीयर उपलब्ध कराने में पहले नम्बर पर है एवं इस क्षेत्र में भारत प्रतिस्पर्धी बन गया है परंतु कृषि उत्पादों के निर्यात के मामले में यह स्थिति हासिल नहीं की जा सकी है। पिछले 7 वर्षों का कार्यकाल यदि छोड़ दिया जाये तो यह ध्यान में आता है कि इससे पिछले 70 वर्षों में भारत में कृषि क्षेत्र पर उतना ध्यान नहीं दिया जा सका है जितना दिया जाना चाहिए था। किसानों को कृषि कार्य के लिए आसान शर्तों एवं कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को बहुत सरल बना दिया गया है परंतु किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से प्रदान किए गए ऋण खातों में यदि प्रतिवर्ष (अथवा फसल के सायकल के अंतर्गत) पूरी ऋण राशि ब्याज सहित अदा नहीं की जाती है तो इन ऋण खातों को गैर निष्पादनकारी आस्तियों में परिवर्तित कर दिया जाता है एवं इन खातों में ऋण राशि को बढ़ाया नहीं जा सकता है तथा इन ऋणों पर लागू ब्याज की दर भी अधिक हो जाती है। जबकि गैर कृषि ऋण खातों में केवल ब्याज अदा कर दिए जाने पर ही इन खातों को गैर निष्पादनकारी आस्तियों की श्रेणी से बाहर रखा जाता है, अर्थात इन खातों में ऋण राशि वापिस जमा कराना आवश्यक नहीं है। इस प्रकार किसान क्रेडिट कार्ड के सम्बंध में उक्त नियमों को शिथिल बनाए जाने की आवश्यकता है। देश में कोरोना महामारी के चलते ग्रामीण इलाकों में चूंकि बेरोजगारी की समस्या गम्भीर बनी हुई है अतः केंद्र सरकार को एमजीनरेगा योजना के अंतर्गत रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बजट 2022-23 में और अधिक राशि का प्रावधान किए जाने की आवश्यकता होगी। एमजीनरेगा योजना के अंतर्गत अधिकतम कृषि कार्य कराए जाने का प्रावधान भी किया जाना चाहिए। न्यूनतम समर्थन मूल्य वैसे तो लगभग 23/24 फसलों के लिए घोषित किया जाता है लेकिन वास्तव में पिछले 40 वर्षों से केवल पंजाब, हरियाणा एवं चंडीगढ़ आदि क्षेत्रों से ही अधिकतम फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद ली जाती है एवं इस योजना का बहुत अधिक लाभ देश के अन्य भागों के किसानों को नहीं मिल पा रहा है। अतः इस योजना का लाभ किस प्रकार देश के अन्य भागों के किसानों को लगभग सभी प्रकार की फसलों के लिए मिले, इसके लिए भी इस बजट में कुछ नई नीतियों की घोषणा होने की सम्भावना है। पशुपालन, डेयरी एवं मछली पालन आदि ऐसे क्षेत्र हैं जिन्हें बढ़ावा देकर किसानों की आय में वृद्धि सम्भव है। अतः इन क्षेत्रों के लिए भी बजट में आवंटन बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। हमारे देश में कृषि के क्षेत्र में अन्य देशों की तुलना में उत्पादकता बहुत कम है। चीन से यदि हम अपनी तुलना करते हैं तो ध्यान में आता है कि चीन की तुलना में प्रति हेक्टेयर पैदावार 50 प्रतिशत से भी कम है। चीन के अलावा अन्य देशों से भी जब हम धान, कपास, मिर्ची, तिलहन, दलहन, आदि उत्पादों के प्रति हेक्टेयर उत्पादन की तुलना करते हैं तो अपने आप को उत्पादकता की श्रेणी में बहुत नीचे खड़ा पाते हैं। अमेरिका में केवल 2 प्रतिशत आबादी कृषि क्षेत्र में कार्यरत है जबकि भारत में 50 प्रतिशत के आसपास आबादी कृषि क्षेत्र से अपना रोजगार प्राप्त करती है। भारत से कृषि उत्पादों के निर्यात में यदि तेज वृद्धि दर्ज करनी है तो हमें अपनी कृषि उत्पादकता बढ़ानी ही होगी। अतः इस क्षेत्र में बहुत अधिक काम करने की आवश्यकता है।

हार-जीत से बड़ा है सक्षम बनना

अंतर्मन/ अमिताभ स.

'सफलता और असफलता में से किसी एक का पलड़ा भारी नहीं है, क्योंकि सीखते हम दोनों से हैं।' कहना है, इसरो के पूर्व प्रमुख व जाने-माने वैज्ञानिक डॉ. के. सिवन का। सच है कि जीत या सफलता एक मनःस्थिति है। लेकिन कुछ हासिल करना या किसी को परास्त करना, वास्तव में जीत कहां है? आप जैसे हैं, वैसे ही खुश हैं, यह सफलता के असल मायने हैं। बस खेलते रहना जीत से कम बड़ी बात नहीं है। जीतने या हारने से ज्यादा अहमियत सक्षम बनने की है। सयाने बताते हैं कि जिंदगी जीने की जो सीख खेल-खेल में मिलती है, वह किसी से नहीं मिलती। सुबह की सैर और जिम में कसरत सेहत जरूर दुरुस्त रखते हैं, लेकिन खेलों जैसा चौतरफा व्यक्तित्व निखार नहीं ला पाते। हारना सिखाना ही खेलों की बड़ी खूबी है। जबकि कोई हारना नहीं चाहता, न ही किसी को हारना आता है। स्कूली और गली-मोहल्लों के खेलों में तो बचपन ही गुजरता है कि हारते जाओ, फिर भी खेलते जाओ। कोई कितना हारे, खेलने के मौके कम नहीं होते। खेलों की भांति जिंदगी में भी तमाम चुनौतियों से दो-चार होना पड़ता है- कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं। जाने-माने उद्योगपति अज़ीम प्रेमजी बताते हैं, 'कोई सौ में से सौ दांव नहीं जीतता है। अपनी हार को भी सामान्य तौर पर लीजिए। हार के लिए खुद को सज़ा मत दीजिए। हार मानिए, अपने हिस्से की समस्या से सीखें और आगे बढ़िए।' और फिर, जीतने का इतना महत्व नहीं होता, जितना जीतने के लिए प्रयास करने का होता है। एक दौड़ प्रतियोगिता में केन्या का एथलीट हाबिल मुताई भाषा की दिक्कत की वजह से 'दौड़ पूरी हो गई' लिखे मार्क को समापन बिंदु मान कर फिनिश लाइन से कुछ फुट पहले रुक गया। उसके पीछे आ रहे स्पेनिश एथलीट इवान फर्नांडीज ने चिल्लाकर उसे रेस जारी रखने को कहा। लेकिन मुताई को स्पेनिश में कहा समझ नहीं आया। स्पेनिश एथलीट ने आव देखा न ताव, उसे जीतने के लिए इतनी जोर से धक्का दे मारा, ताकि वह फिनिश लाइन पार कर जाए। ऐसा करके इवान खुद हार कर भी जीत गया। ज़ाहिर होता है कि जीतने की इच्छा रखना, लेकिन जरूरत पड़े, तो हारने के लिए तैयार रहना, अपनी जीत और हार को शालीनता से सम्भालना- यही खूबियां हैं, जो खेल से किसी इंसान के अंदर आती हैं, आनी चाहिए। सद गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं, 'जो हमारे साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, वे हमारे दुश्मन नहीं होते। ये लोग हमें खुद की कमियों को याद दिलाते रहते हैं। साथ ही, हमारी गुणवत्ता को कायम रखते हैं।' हर मैच को जीतना सही गोल या लक्ष्य नहीं होना चाहिए। हर खेल जीतना ही मकसद होगा, तो हार से आत्मविश्वास डगमगा जाएगा। इसलिए बेहतरीन खेलना ही हर खिलाड़ी का मकसद होता है। तय है कि खेल-खेल कर सीखने वाला कभी नहीं हारता। ज़िंदगी के भी हर मोर्चे पर बेशक हारते जाएं, लेकिन मन से कभी नहीं हारना चाहिए। और अगर कोई विजेता बनना चाहे, तो उसे पहले विनम्र, प्रेममय, शांतिमय और आनंदमय इंसान बनना होगा। शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद इस हद तक लिखते हैं, 'जीतना आसान है। कठिन तो उसके बाद का दौर है। हार प्रयोग करने की प्रेरणा देती है। जीत इस राह पर चलने की प्रेरणा दे ही नहीं सकती। हरेक का हर परफ़ॉर्मेंस जीत-हार और सफलता- असफलता के दो स्तम्भों के बीच झूलता है।' खोने और पाने का सिलसिला हरेक के साथ ताउम्र जारी रहना चाहिए। आप कर सकते हैं, मन में यह विश्वास हो, तो आधी जीत मिल जाती है। इसीलिए माना जाता है कि जिंदगी किसी खेल या परीक्षा की तरह जोखिम से भरी है। कोई इसे पहेली कहता है, कोई इम्तिहान, तो कोई मौका। जो बीत गया, उसे हरगिज दुरुस्त नहीं किया जा सकता, लेकिन आने वाले दौर का निर्माण किया जा सकता है। हार या फेल का रोना भूल कर और खुद पर यकीन कर हर इंसान अपने लक्ष्य के काफी समीप पहुंच सकता है। क्योंकि हर इंसान अपनी किस्मत खुद रचता है। जब किस्मत रचने में असफल होता है, तब वह नियति बन जाती है। जाने-माने कार उत्पादक हेनरी फोर्ड ने एक दफा कहा था, 'सफल शख्स का राज़ यही है कि वह अपनी मंजिल पाने के लिए क्या जरूरी है, यह जान जाता है और उस पर अमल करता है।' बचपन में स्कूली पाठ्य पुस्तक में पढ़ी कथाकार सुदर्शन की कालजयी कहानी 'हार की जीत' जीवन भर याद रहती है। कहानी संदेश देती है कि मन छोटा किए बगैर मेहनत और साफ़ नीयत की बदौलत हार भी जीत में तब्दील हो सकती है। बड़े कमाल की बात है कि ऑस्ट्रेलिया की सेना की कोर टीम में भर्ती के लिए विजेताओं की बजाय हारे फ़ौजियों को प्राथमिकता दी जाती है। आविष्कारक थॉमस एडिसन की राय में, 'कतई मत कहिए कि मैं 99 दफा हारा हूं। बल्कि कहें कि मैंने हारने की 99 वजहें ढूंढी हैं।' और फिर उन्हीं वजहों को पार करते-करते जीत की राह खुलती है। उधर उद्योगपति रतन टाटा भी मानते हैं कि तुम्हारी नाकामी सिर्फ तुम्हारी है, तुम्हारी पराजय सिर्फ तुम्हारी है। किसी को दोष देने की बजाय, गलती से सीखो और आगे बढ़ते जाओ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शब्द यही संदेश देते हैं- छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। निरंतर थोड़ा-थोड़ा आगे बढ़ते रहना ही जीत समझिए।

सू-दोकू नवताल -2034

3	9			8	2		7	4
5	2		3	4			8	1
				9		5		
4	8	3	6		9			7
	1						9	
2			1		8	3	4	6
		8		6				
1	5			3	7		6	9
7	4		9	1			3	2

सू-दोकू -2033 का हल

7	4	1	3	8	5	2	6	9
2	6	8	9	7	4	1	3	5
3	5	9	6	1	2	8	7	4
6	1	5	7	9	3	4	2	8
9	8	7	2	4	1	6	5	3
4	3	2	8	5	6	7	9	1
5	7	4	1	6	9	3	8	2
8	9	3	4	2	7	5	1	6
1	2	6	5	3	8	9	4	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2034

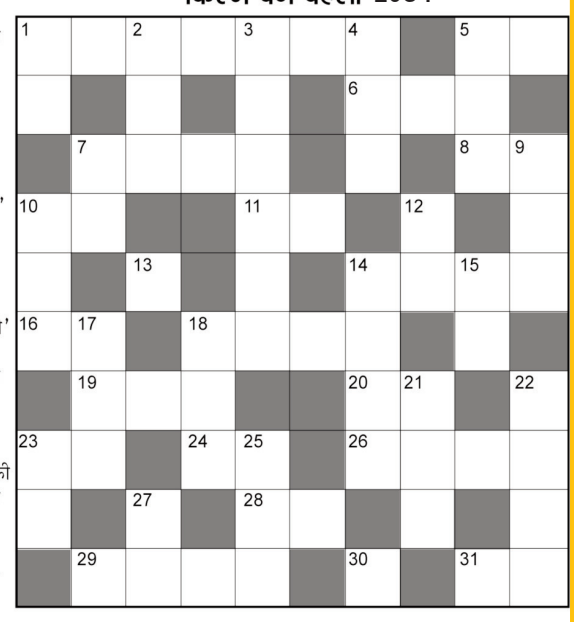

बायें से दायें:-

1. आमिर खान, की 'बम बम बोले मस्ती में डोले' गीत वाली फिल्म-2,3,2
5. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-2
6. धर्मेन्द्र, सुनील दत्त की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-3
7. 'तेरी चाहत में दीवाना हूं' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना जेटली की फिल्म-4
8. सलमान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-2
10. 'हमने घर छोड़ा है' गीतवाली फिल्म-2
11. फिल्म 'शिवा' में मोहित अहलावत के साथ नायिका-2
13. 'काश हौले हौले तू मेरा होले' गीत वाली गौतम गुप्ता, निशा कोठारी की फिल्म-1
14. अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर, प्रीति जिंटा, ग्रेसी सिंह की 'मेरी जिंदगी में आये हो' गीत वाली फिल्म-4
16. राजेंद्र कुमार, मालासिन्हा की फिल्म-2
18. फिल्म 'क्योंकि' में करीना कपूर के साथ नायक कौन था-4
19. फिल्म 'दुल्हन एक रात की' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-3
20. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीतवाली फिल्म-2
23. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-2
24. आमिर, मनीषा कोइराला की 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-2
26. 'ये हवाएं सर्द सर्द हैं' गीत वाली राजेश खन्ना, मिथुन चक्रवर्ती, शबाना आजमी, दीप्ति नवल की फिल्म-4
28. जैकी, डिम्पल कपाड़िया की 'क्या है तम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-2
29. फिल्म 'कसूर' में लिसा रे के साथ नायक कौन था-4
30. ईशा कोप्पिकर की 'प्यार धोखेबाज यार धोखेबाज' गीत वाली फिल्म-1
31. 'क्यूं मेरा दिल तुझको चाहे' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'इश्क बिना क्या जीना' गीत वाली अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
2. अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-3
3. 'रात कली एक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म 'बुड्ढा मिल गया' में नायक कौन था-3,3
4. 'गोरी जो मटके बालों को झटके' गीत वाली फिल्म-3
5. 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-3
7. सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-2
9. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-3
10. सनी दओल, बॉबी देओल, उर्मिला मार्तोंडकर की 'हां हां ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-3
12. 'मैं नए जमाने की लैला' गीत वाली अजय देवगन, रवीना टंडन, रीना राय की फिल्म-2
14. कपिल गुप्ता, आमिर अली, महक चहल की 'आवारा बादल नहीं मैं' गीत वाली फिल्म-4
15. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-2
17. फिल्म 'हाथी मेरे साथी' की नायिका-3
18. 'खुदा करे मोहब्बत में' गीत वाली संजय दत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की फिल्म-3
21. 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-3
22. 'जैसे इक चांद का टुकड़ा' गीत वाली सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की फिल्म-4
23. राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-2
25. 'ऐ दिल पागल मेरे' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, उर्वशी शर्मा की फिल्म-3
27. संजय दत्त, शरद कपूर, रवीना टंडन, मनीषा कोइराला की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2033

सा	व	रि	या		कु	बां	नी		डॉ
थी		फ्यू		डो	ली		य	की	न
	बा	जी	ग	र		सि	त	म	
रं	ग		ज		खे	ल		त	ब्बू
	बा	बु	ल			सि	क्का		
फ	न			उ	जा	ला		स	त्या
रे		आं	दो	ल	न		अ	ल	ग
ब		धी		झ		गो		मा	
	ने		पू	न	म		जा	न	म
म	हा	रा	जा		स्त		नू		स्ती

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वेस्टर्न कोलफील्ड्स ने महाजेन्को को 1.89 करोड़ टन कोयला आपूर्ति की: सरकार

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की इकाई वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) ने महाजेन्को को इस वित्त वर्ष में अब तक 1.896 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए हुए ईंधन आपूर्ति समझौते के तहत डब्ल्यूसीएल की तरफ से महाजेन्को को कुल 2.314 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति किए जाने पर सहमति बनी थी। इस खरीद समझौते के तहत 29 जनवरी तक 1.868 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की जानी थी लेकिन इस तारीख तक आपूर्ति की मात्रा अनुबंधित करार से अधिक रही है। फ्लेक्सी प्लान के तहत महाजेन्को के पास यह अधिकार है कि वह प्राप्त कोयले को अपने किसी भी बिजली संयंत्र को भेज सकता है। फिलहाल डब्ल्यूसीएल इस समझौते के अनुरूप महाजेन्को के चंद्रपुर सुपर थर्मल पावर स्टेशन को कोयले की आपूर्ति कर रही है।

एमईआईएल की सहायक कंपनी ड्रिलमेक एसपीए हैदराबाद में वैश्विक विनिर्माण केंद्र स्थापित करेगी

नई दिल्ली । मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) समूह की सहायक कंपनी ड्रिलमेक एसपीए हैदराबाद तेलंगाना में अपना वैश्विक विनिर्माण केंद्र स्थापित करेगी। इस संबंध में करार पर ड्रिलमेक एसपीए के सीईओ सिमोन ट्रेविसानी और राज्य के उद्योग एवं औद्योगिक संवर्धन आयुक्त एवं प्रमुख सचिव जयेश रंजन ने हस्ताक्षर किए। ड्रिलमेक स्पा, तेल-ड्रिलिंग रिग निर्माण में एक वैश्विक कंपनी है। ड्रिलमेक ने तेलंगाना में तेल निकालने और सहायक उपकरणों के निर्माण के लिए ड्रिलमेक इंटरनेशनल हब की स्थापना के लिए तेलंगाना सरकार के उद्योग और वाणिज्य विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। वैश्विक हब की स्थापना के लिए आगामी सुविधा में 20 करोड़ डालर से अधिक का निवेश करने का प्रस्ताव है, जिसमें विनिर्माण, अनुसंधान और विकास और उत्कृष्टता केंद्र शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हम भारत में हाइड्रोजन ईंधन परियोजना में भविष्य के निवेश में रुचि रखते हैं। हैदराबाद विनिर्माण केंद्र रिग निर्माण और सहायक कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह सुविधा अनुसंधान एवं विकास और उत्कृष्टता के प्रशिक्षण केंद्र की भी स्थापना करती है। इटली, अमेरिका और बेलारूस में पहले से ही तीन विनिर्माण सुविधाएं हैं। विभिन्न देशों के कई प्रस्तावों पर विचार करने के बाद तेलंगाना का चुनाव किया गया है क्योंकि इसकी एक प्रगतिशील औद्योगिक नीति और निवेशक-अनुकूल है।

चीन की विनिर्माण गतिविधियों की रफ्तार सुस्त

बीजिंग । दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि की रफ्तार जनवरी में कुछ सुस्त पड़ी है। सरकार ने कोविड-19 के प्रसार पर अंकुश के लिए कुछ सख्त उपाय किए हैं जिनका असर आर्थिक गतिविधियों पर देखने को मिला है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकीय ब्यूरो के अनुसार खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जनवरी में घटकर 50.1 पर आ गया जबकि दिसंबर में यह 50.3 पर था। यह लगातार तीसरा महीना है जबकि विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि सुस्त रही है। वहीं चीन की एक बिजनेस पत्रिका ने कहा है कि जनवरी 2022 में पीएमआई घटकर 49.1 पर आ गया है जो दिसंबर, 2021 में 50.9 पर था। पीएमआई के 50 से ऊपर होने का आशय वृद्धि तथा 50 से नीचे होने का मतलब संकुचन से लगाया जाता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीन में नए ऑर्डर का उप-सूचकांक घटकर 49.3 पर आ गया है। नए निर्यात ऑर्डर भी नीचे आ रहे हैं। हालांकि, जनवरी में निर्यात ऑर्डर में गिरावट की रफ्तार कुछ कम हुई है। पूरे महामारी काल में चीन का निर्यात अच्छा रहा है। आंकड़ों के अनुसार जनवरी में चीन का गैर-विनिर्माण पीएमआई भी घटकर 51.1 पर आ गया, जो दिसंबर में 52.7 पर था।

कृषि संबद्ध क्षेत्रों को प्राथमिकता देने, वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने की जरूरत: समीक्षा

नयी दिल्ली,

आर्थिक समीक्षा 2021-22 में सोमवार को कहा गया कि कृषि क्षेत्र ने कोविड-19 के झटके को सहने के प्रति अपनी जिजीविषा को प्रदर्शित किया है और इसके चालू वित्तवर्ष में 3.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। समीक्षा में सरकार को फसल विविधीकरण, संबद्ध कृषि क्षेत्रों और नैनो यूरिया जैसे वैकल्पिक उर्वरकों को प्राथमिकता देने का सुझाव भी दिया गया है। आर्थिक समीक्षा 2021-22 ने ड्रोन जैसी नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग बढ़ाने के अलावा कृषि अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) तथा जैविक खेती को बढ़ाने पर भी जोर दिया है। समीक्षा में कहा गया है, ''कृषि और संबद्ध क्षेत्र ने कोविड-19 के झटके के प्रति जिजीविषा को प्रदर्शित किया है ...पशुधन, डेयरी और मत्स्य पालन सहित संबद्ध क्षेत्रों में वृद्धि, इस क्षेत्र में समग्र विकास के प्रमुख चालक रहे हैं।'' पिछले दो वर्षों में कृषि क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हुई है। समीक्षा में कहा गया कि वर्ष 2021-22 के दौरान इसके 3.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष में 3.6 प्रतिशत था। समीक्षा में कहा गया कि संबद्ध कृषि क्षेत्र लगातार उच्च वृद्धि वाले क्षेत्रों के रूप में उभर रहे हैं। समीक्षा में कहा गया है, ''किसानों की आय तथा इस क्षेत्र (कृषि) की वृद्धि में पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन सहित संबद्ध क्षेत्रों के बढ़ते महत्व से संकेत मिलता है कि सहायक क्षेत्रों के दोहन की ओर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।'' नवीनतम स्थिति आकलन समीक्षा (एसएएस) ने यह भी पाया है कि संबद्ध क्षेत्र, कृषि परिवारों के विभिन्न समूहों के लिए आय के स्थिर स्रोत रहे हैं, जो उनकी औसत मासिक आय का लगभग 15 प्रतिशत है। खेतों के घटते आकार के साथ, समीक्षा में कहा गया है कि छोटी जोत वाले किसानों को कृषि प्रौद्योगिकियों के विकास और उसे उपयोग में लाकर माध्यम से छोटे एवं सीमांत किसानों की उत्पादकता में सुधार करने की भी आवश्यकता है। सरकार से फसल विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए, समीक्षा में कहा गया है कि मौजूदा फसल प्रणाली गन्ना, धान और गेहूं की खेती की ओर झुकी हुई है।

ज्यादा रोजगार देने वाले क्षेत्रों को मिले पीएलआई स्कीम का लाभ: सीआईआई

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी मंगलवार को देश का आम बजट पेश करेंगी। बजट के ठीक पहले इंडस्ट्री बॉडी कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) ने कहा कि प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम में सृजित रोजगार के आधार पर इंसेंटिव की अतिरिक्त दरें भी जोड़ी जानी चाहिए। सीआईआई ने सुझाव दिया है कि अधिक संख्या में रोजगार देने वाले लेदर और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों को निवेश आकर्षित करने और नए रोजगार पैदा करने के लिए इंसेंटिव स्कीम के दायरे में लाया जाना चाहिए। सीआईआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि महामारी की मार से उबर रहे देश में रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए हमारा यह सुझाव है कि बजट में इंसेंटिव स्कीम के भीतर रोजगार-सृजन का पहलू भी जोड़ा जाए। अधिक संख्या में रोजगार देने वाले क्षेत्रों को पीएलआई स्कीम के दायरे में लाया जाना चाहिए। इससे इन क्षेत्रों में निवेश को काफी बढ़ावा मिलेगा। अधिक संख्या में रोजगार देने वाले क्षेत्रों को अधिक रियायतें दी जानी चाहिए। सीआईआई ने आगामी बजट में पीएलआई के अलावा कई अन्य ऐसे कदमों की भी अनुशंसा की है जिनसे रोजगार सृजन को बढ़ावा मिले। कोविड-19 महामारी की मार सभी आय वर्गों पर पड़ने से बजट में रोजगार-सृजन वाले क्षेत्रों पर ध्यान देना जरूरी है।

आर्थिक समीक्षा के बाद सेंसेक्स में 813 अंक का उछाल, निफ्टी 17,300 अंक के पार

मुंबई।

विभिन्न क्षेत्रों में चौतरफा लिवाली से बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 813 अंक की बढ़त के साथ एक बार फिर 58,000 अंक के पार निकल गया। वहीं निफ्टी 17,300 अंक के स्तर को पार कर गया। वित्त वर्ष 2021-22 की आर्थिक समीक्षा में अर्थव्यवस्था की बेहतर वृद्धि दर के अनुमान से बाजार में तेजी आई। यूरोपीय बाजारों में अच्छी शुरुआत तथा एशियाई बाजारों के मजबूत रुख से भी घरेलू बाजारों में तेजी को बल मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अच्छी बढ़त के साथ खुला और पूरे सत्र के दौरान इसमें तेजी रही। अंत में यह 813.94 अंक यानी 1.42 प्रतिशत मजबूत होकर 58,014.17 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 237.90 अंक यानी 1.39 प्रतिशत मजबूत होकर 17,339.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, विप्रो, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, एसबीआई और पावरग्रिड प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक और एचयूएल नुकसान में रहे। संसद में सोमवार को पेश आर्थिक समीक्षा में टीकाकरण दायरा बढ़ने और आपूर्ति पक्ष में सुधार के साथ नियमन को सुगम बनाने से एक अप्रैल से शुरू वित्त वर्ष 2022-23 में वृद्धि दर 8 से 8.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। साथ ही कहा गया है कि अर्थव्यवस्था भविष्य की चुनौतियों से निपटने में अच्छी तरह से तैयार है। इसमें 2021-22 में आर्थिक वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। पिछले वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की लाभ में रहे। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजारों में अवकाश था। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.86 प्रतिशत बढ़कर 90.80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 5,045.34 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

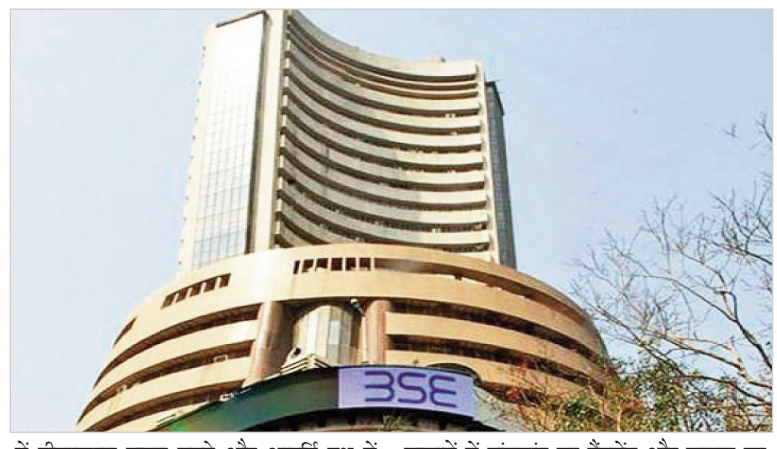

5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था को बुनियादी ढांचे पर 1,400 अरब डॉलर खर्च करने की जरूरत

बिजनेस डेस्क:

देश को 2024-25 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए इस दौरान बुनियादी ढांचे पर 1,400 अरब डॉलर खर्च करने की जरूरत होगी। संसद में सोमवार को पेश 2021-22 की आर्थिक समीक्षा में यह कहा गया है। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्षों 2008-17 के दौरान भारत ने बुनियादी ढांचे पर 1,100 अरब डॉलर खर्च किये हैं। हालांकि, बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने को लेकर चुनौतियां भी हैं। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है, ''इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर देशभर में वैश्विक स्तर की ढांचागत सुविधाओं तथा नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार को लेकर राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन (एनआईपी) की शुरुआत की गयी। इसमें वित्त वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक करीब 111 लाख करोड़ रुपए का निवेश अनुमानित है।'' इसमें परियोजना तैयारी में सुधार और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में घरेलू तथा विदेशी निवेश आकर्षित करने पर भी जोर दिया गया है। एनआईपी की शुरुआत 6,835 परियोजनाओं के साथ की गई। इनकी संख्या बढ़ाकर 9,000 से भी अधिक कर दी गई है। इसके अंतर्गत 34 बुनियादी ढांचा उप-क्षेत्र आते हैं। वित्त वर्ष 2019-20 से 2024-25 के दौरान ऊर्जा (24 प्रतिशत), सड़क (19 प्रतिशत), शहरी (16 प्रतिशत) तथा रेलवे (13 प्रतिशत) जैसे क्षेत्रों में अनुमानित पूंजीगत व्यय का 70 प्रतिशत खर्च होने की संभावना है। समीक्षा में कहा गया है, ''बुनियादी ढांचा किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। बुनियादी ढांचे की सीमा और गुणवत्ता देश की तुलनात्मक लाभ का उपयोग करने की क्षमता को निर्धारित करती है और लागत प्रतिस्पर्धा को सक्षम बनाती है। मजबूत आपूर्ति व्यवस्था और बुनियादी ढांचे से उत्पन्न सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, यह सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण जरिया हो सकता है।'' इसमें कहा गया है कि बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) इस क्षेत्र में निवेश का एक महत्वपूर्ण स्रोत रही है। अवसंरचना में निजी भागीदारी पर विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, पीपीपी परियोजनाओं की कुल संख्या के साथ-साथ संबंधित निवेश की दृष्टि से विकसित देशों में भारत को दूसरा स्थान प्रदान किया गया है। पीपीपी परियोजनाओं का आकलन करने वाली सार्वजनिक-निजी भागीदारी आकलन समिति (पीपीपीएसी) ने वर्ष 2014-15 से लेकर वर्ष 2020-21 तक 1,37,218 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत वाली 66 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सरकार ने वित्तीय दृष्टि से अव्यावहारिक लेकिन सामाजिक/आर्थिक दृष्टि से अपेक्षित पीपीपी परियोजनाओं को व्यावहारिक बनाने को लेकर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए वित्तपोषण व्यवस्था (वीजीएफ) शुरू की।

सन फार्मा का दिसंबर तिमाही का शुद्ध लाभ 11% बढ़कर 2,059 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली:

दवा कंपनी सन फार्मा का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर, 2021 की तिमाही में 11.14 प्रतिशत बढ़कर 2,058.8 करोड़ रुपए हो गया। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बिक्री में वृद्धि से कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 1,852.4 करोड़ रुपए रहा था। फार्मा कंपनी ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर, 2021 की तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 9,863 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 8,836.7 करोड़ रुपए थी। सन फार्मा के प्रबंध निदेशक दिलीप सांघवी ने कहा, ''हमने सभी व्यवसायों में अच्छी वृद्धि हासिल की है। बढ़ती लागत के बावजूद, हमने उच्च लाभ हासिल किया है।''

आम बजट में हरित हाइड्रोजन क्षेत्र को बढ़ावा दे सकती है सरकार

नई दिल्ली ।

सरकार आगामी आम बजट में देश में हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए लक्षित वित्तीय प्रोत्साहनों के अलावा कोष का आवंटन कर सकती है। आम बजट मंगलवार को पेश किया जाना है। सरकार ने 2021 में राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन शुरू किया है। इस महीने की शुरुआत में बिजली और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने संकेत दिया था कि फरवरी में हरित हाइड्रोजन नीति लाई जाएगी, जिसमें देश में हरित हाइड्रोजन को प्रोत्साहन देने के लिए कई उपाय शामिल होंगे। जे सागर एसोसिएट्स (जेएसए) के एक भागीदार ने कहा कि 2021 में राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन शुरू किया गया है। संभावना है कि बजट में हरित हाइड्रोजन खंड में अनुसंधान एवं विकास के लिए लक्षित वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जा सकता है। इसके अलावा हाइड्रोजन के लिए घरेलू आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण और हरित हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रोलाइजर पर सीमा शुल्क को घटाया जा सकता है। उनका कहना है कि सीओपी-26 में 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य का लक्ष्य प्राप्त करने और 2030 तक कुल बिजली जरूरत का 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से पूरा करने की प्रतिबद्धता दर्शाती है कि सरकार ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों पर ध्यान केंद्रित करने का इरादा रखती है।

सेमीकंडक्टर चिप की किल्लत होने से कंपनियों को उत्पादन घटाना पड़ा: आर्थिक समीक्षा

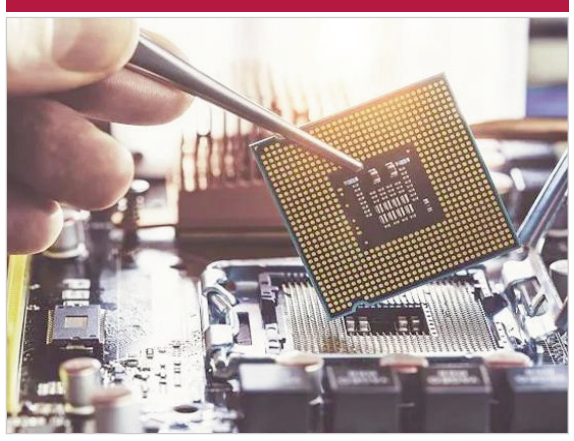

बिजनेस डेस्क:

वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर चिप की कमी के कारण कई क्षेत्रों की कंपनियों का उत्पादन या तो पूरी तरह ठप हो गया या फिर घट गया। आर्थिक समीक्षा 2021-22 में यह बात कही गई है। संसद में सोमवार को पेश आर्थिक समीक्षा के अनुसार सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण क्षेत्र के लिए 76,000 करोड़ रुपए चिह्नित करने के सरकार के निर्णय से देश में इनका उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। समीक्षा में कहा गया कि इस क्षेत्र के लिए सरकार ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था आपूर्ति श्रृंखलाओं की गंभीर बाधाओं के कारण सेमीकंडक्टर की भारी कमी का सामना कर रही है। समीक्षा में कहा गया, ÷आपूर्ति में खड़ी बाधाओं में गंभीर दिक्कतों के कारण विभिन्न क्षेत्र की कंपनियों का उत्पादन या तो घट गया है या पूरी तरह से बंद हो गया है।÷ समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, उत्पादन से संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना समेत अन्य योजनाएं न केवल उद्योग को कोविड-19 महामारी की चुनौतियों से निपटने में मदद करेंगी बल्कि वैश्विक आपूर्ति बाधाओं से भी उबरने में सहायता देंगी।

आर्थिक समीक्षा के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ने वाला उद्योग है और अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है।

भारत का स्मार्टफोन निर्यात 11 फीसदी बढ़कर 16.9 करोड़ इकाई पर पहुंच गया

मुंबई ।

भारत का स्मार्टफोन निर्यात पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11 फीसदी बढ़कर 16.9 करोड़ इकाई पर पहुंच गया। बाजार का आकार 2021 में 38 अरब को पार कर गया। अध्ययन के मुताबिक भारतीय स्मार्टफोन बाजार का आकार पिछले साल के मुकाबले वर्ष 2021 में 27 फीसदी वृद्धि के साथ 38 अरब डॉलर के पार चला गया। स्मार्टफोन का निर्यात बीते वित्त वर्ष के मुकाबले 2021 में 11 फीसदी बढ़कर 16.9 करोड़ इकाई हुआ। हालांकि, आपूर्ति संबंधी मुद्दों के कारण दिसंबर तिमाही में पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले निर्यात में 8 फीसदी की कमी दर्ज की गई थी। भारतीय स्मार्टफोन बाजार में 2021 में उपभोक्ता मांग अधिक रही, जिससे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाला वर्ष रहा। यह उपलब्धि उस समय हासिल हुई है जब आपूर्ति में अनेक अवरोध आए मसलन कोरोना की दूसरी भयावह लहर, पुर्जों की वैश्विक स्तर पर कमी और इनके कारण मूल्य वृद्धि। निर्यात में सर्वाधिक 24 फीसदी हिस्सेदारी चीनी मोबाइल कंपनी शियोमी की रही। महंगे मोबाइल (30,000 रुपये से अधिक) की श्रेणी में इस ब्रांड की हिस्सेदारी पिछले साल के मुकाबले सर्वाधिक 258 फीसदी रही।

कुल निर्यात में सैमसंग की हिस्सेदारी 18 फीसदी रही और 20,000 से 45,000 रुपये वाली श्रेणी में इसकी सर्वाधिक 28 फीसदी हिस्सेदारी रही। वीवो की 15 फीसदी, रियलमी की 14 फीसदी और ओप्पो की 10 फीसदी हिस्सेदारी रही। 2021 के पांच शीर्ष ब्रांड में रियलमी सबसे तेजी से वृद्धि करने वाला ब्रांड रहा यह दिसंबर 2021 में पहली बार दूसरे स्थान पर आया। वनप्लस का 2021 में भारत में सर्वाधिक निर्यात रहा। इस साल एप्पल सबसे तेजी से वृद्धि करने वाले ब्रांड में से एक रहा और पिछले वर्ष के मुकाबले उसने 108 फीसदी वृद्धि दर्ज की। 5जी तकनीक वाले मोबाइल फोन का निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 555 फीसदी बढ़ गया और इस श्रेणी के निर्यात में सर्वाधिक 19 फीसदी हिस्सेदारी वीवो की रही। भारत का कुल मोबाइल हैंडसेट बाजार 2021 में सात फीसदी बढ़ा और इसमें 17 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सैमसंग पहले स्थान पर रहा। भारत के स्मार्टफोन बाजार का खुदरा औसत बिक्री मूल्य 2021 में 14 फीसदी बढ़कर अब तक का सर्वाधिक 227 डॉलर हो गया।

सरकार ने एलआईसी के चेयरमैन कुमार का कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली ।

सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के चेयरमैन एमआर कुमार का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। गौरतलब है कि एलआईसी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी चल रही है। ऐसे में सरकार चाहती है कि आईपीओ प्रक्रिया सुगमता से पूरी हो जाए। विस्तार के बाद कुमार मार्च, 2023 तक एलआईसी के चेयरमैन पद पर रहेंगे। इसके साथ ही एलआईसी के प्रबंध निदेशक राज कुमार का कार्यकाल भी एक साल के लिए बढ़ाया गया है। एलआईसी के चेयरमैन को दूसरी बार सेवा विस्तार दिया गया है। एलआईसी के प्रस्तावित आईपीओ के मद्देनजर उन्हें पिछले साल जून में पहली बार उन्हें नौ माह का विस्तार दिया गया था। सरकार बजट घोषणा के अनुरूप एलआईसी को चालू वित्त वर्ष में ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराना चाहती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल अपने बजट भाषण में कहा था कि बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी का आईपीओ 2021-22 में आएगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश से 1.75 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है। विनिवेश लक्ष्य को पाने की दृष्टि से एलआईसी का आईपीओ काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। सरकार के पास एलआईसी की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एक बार सूचीबद्ध होने के बाद एलआईसी बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी हो जाएगी। इसका बाजार मूल्यांकन आठ से 10 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। इस बीच सरकार ने सूचीबद्धता के लिए एलआईसी की अधिकृत पूंजी को उल्लेखनीय रूप से 100 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 25,000 करोड़ रुपए कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बायो-बबल से बचने आईपीएल से नाम वापस लिया : स्टार्क

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क कहा है कि बायो-बबल (जैव सुरक्षा घेरे) से बचने के लिए ही वह इस साल आईपीएल की मेगा नीलामी में शामिल नहीं हो रहे। स्टार्क ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया की ओर से अगले अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए वह अपने शरीर को तरोताजा और फिट रखना चाहते हैं। इसी कारण वह बायो-बबल से दूर रहेंगे। वह बायो-बबल में 22 सप्ताह और नहीं रहना चाहते हैं। इसलिए पहले ही उन्होंने नीलामी से अपना नाम वापस ले लिया है। स्टार्क ने कहा कि मैंनें आईपीएल नीलामी में इसलिए हिस्सा नहीं लिया क्योंकि मैं बायोबल में 22 सप्ताह और नहीं रहना चाहता था। मुझे शरीर को ताज़ा करने के लिए कुछ समय चाहिए। इसलिए मैं ऑस्ट्रेलियाई टीम के मैचों को अधिक प्राथमिकता दे रहा हूं। स्टार्क ने साथ ही कहा कि अगले साल में आईपीएल में वापसी करुंगा पर पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए जितना हो सके उतना खेलना चाहता हूं। कई प्रारुपों में खेलने के कारण ही मैंने यह निर्णय लिया है। मुझे उन आठ हफ्तों में पत्नी एलिसा और परिवार के साथ बाहर समय बिताने का अवसर मिलेगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत मेरे करियर की सबसे बड़ी वापसी : नडाल

मेलबोर्न।

दुनिया के नंबर पांच टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने रविवार को यहां दूसरी वरीयता प्राप्त रूस के डेनिल मेदवेदेव को हरा कर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष एकल का खिताब जीतने के बाद कहा कि यह मैच उनके करियर की सबसे बड़ी वापसी थी। नडाल ने कहा, 'अगर आप हर संभव प्रयास करें और अपना सब कुछ दांव पर लगा दें तो आपकी जीत की संभावना ज्यादा होती है। मैं कह सकता हूं कि यह मेरे टेनिस करियर की सबसे बड़ी वापसी है। बेशक अंत में जीत ही इतिहास के पन्नों में दर्ज होती है, लेकिन जिस तरह से आप मैच जीतते हैं, खासतौर पर व्यक्तिगत भावनाओं के लिहाज से, वह अलग है। जिस तरह से मैंने आज रात इस ट्रॉफी को हासिल किया वह अविस्मरणीय था। निसंदेह यह मेरे टेनिस करियर के सबसे भावनात्मक मैचों में से एक था। यह जीत मेरे लिए बहुत मायने रखती है।% उल्लेखनीय है कि नडाल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष एकल के फाइनल में जबरदस्त वापसी करते हुए खिताब जीता था। वह पहले दो सेटों में रूसी प्रतिद्वंद्वी मेदवेदेव से 2-6, 6-7(5) से पिछड़ गए थे, लेकिन बाद में उन्होंने लगातार तीन सेट 6-4, 6-4, 7-5 से जीत कर 21वां ग्रैंड स्लैम पुरुष एकल खिताब जीतने वाले दुनिया के इकलौते टेनिस खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 2005 में 19 वर्ष की उम्र में फ्रेंच ओपन खिताब जीत कर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था।

नडाल ने 21वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर कहा, 'मेरे करियर के इस क्षण में एक और ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल करना शानदार है। बेशक मुझे पता है कि 21 एक विशेष संख्या है। मुझे पता है कि इसके क्या मायने हैं, लेकिन मेरी लिए आज का दिन अविस्मरणीय है। मैं अपने टेनिस करियर में एक और खास चीज हासिल करके भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं।% स्पैनिश खिलाड़ी ने प्रतिद्वंद्वी मेदवेदेव की प्रशंसा करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि डेनियल एक महान चैंपियन हैं। उन्होंने हार को परिपक्व तरीके से स्वीकार किया और मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं, क्योंकि यह उनके लिए बहुत कठिन दिन है। मुझे पता है कि उस स्थिति में होना कितना कठिन है।'

इंग्लैंड के क्रिकेटर टिम ब्रेसनन ने की संन्यास की घोषणा, विश्व विजेता टीम का रह चुके हैं हिस्सा

वारविकशायर ।

इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर टिम ब्रेसनन ने क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है, उनके काउंटी क्लब वारविकशायर क्रिकेट ने सोमवार को पुष्टि की। इस 36 वर्षीय ने पिछले साल अप्रैल में अपनी वारविकशायर कैप प्राप्त की थी और बल्ले तथा गेंद के महत्वपूर्ण योगदान के माध्यम से टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। वार्विकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब (डब्ल्यूसीसीसी) के अनुसार ब्रेसनन ने एक बयान में कहा कि यह अविश्वसनीय रूप से कठिन निर्णय रहा है लेकिन शीतकालीन प्रशिक्षण में लौटने के बाद मुझे लगता है कि यह सही समय है। मैंने अपने 21वें पेशेवर वर्ष की तैयारी के लिए पूरे ऑफ-सीजन में कड़ी मेहनत करना जारी रखा है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं कर सकता हूं। मैं अपने और अपने साथियों के लिए उच्च मानकों तक नहीं पहुंचता। उन्होंने कहा कि मैं जिस खेल से प्यार करता हूं, उसके लिए मेरे पास जो भूख और उत्साह है, वह मुझे कभी नहीं छोड़ेगा, मैं 2022 सीजन से निपटने के लिए तैयार हूं लेकिन मेरा शरीर नहीं। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा अपने करियर और वारविकशायर को बड़े गर्व के साथ देखूंगा और देश का प्रतिनिधित्व करना एक पूर्ण सम्मान की बात है।

बड़े होकर मैंने कभी विश्वास नहीं किया होगा कि मैं कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों के साथ और कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों के खिलाफ खेलने के लिए कितना भाग्यशाली था। वारविकशायर क्रिकेट के अनुसार अपने प्रथम श्रेणी करियर में ब्रेसनन ने 7,138 रन बनाए जिसमें 7 शतक और 9 बार पांच विकेट लेने के साथ कुल 575 विकेट शामिल हैं। ब्रेसनन ने कहा, मैं अपने अगले अध्याय के लिए उत्साहित हूं और इसमें सब कुछ फेंकने के लिए दृढ़ हूं, जैसे मैंने क्रिकेट के मैदान पर इतने सालों तक किया। ब्रेसनन इंग्लैंड की उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने पहली बार 2010 विश्व टी20 ट्रॉफी हासिल की थी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में उतरते ही रिकार्ड बनाएगी भारतीय टीम

मुम्बई ।

भारतीय टीम 6 फरवरी से वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलने जा रही है। रोहित शर्मा की कप्तानी में तीन-तीन मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज के पहले ही एकदिवसीय मैच में उतरते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम करेगी। इस मैच में उतरते ही भारतीय टीम अपना 1000वां एकदिवसीय मैच खेलेगी।इस प्रकार भारतीय टीम 1000 वां एकदिवसीय मैच खेलने वाली दुनिया की पहली टीम बन जाएगी। भारतीय टीम ने अपना पहला एकदिवसीय मैच साल 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। इसमें भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। तब एकदिवसीय मैच 60 ओवर्स का खेला जाता था। अब तक सबसे ज्यादा एकदिवसीय मैच खेलने वाली तीन टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया ओर पाकिस्तान हैं। भारत ने अपने 999 मैचों में से 518, जीते हैं जबकि 431 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम हैं उसने 958 मैच खेले हैं। जिसमें 581 जीते हैं जबकि उसे 334 में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं तीसरे टीम पाकिस्तान ने 936 मैच खेलकर 490 जीते हैं और उसे 417 में हार मिली है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से श्रीलंका को लगा झटका, ये क्रिकेटर पाया गया कोरोना पॉजिटिव

कोलंबो ।

श्रीलंका के अनकैप्ड गेंदबाज नुवान तुषारा कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। तुषारा के अलावा दौरे के लिए श्रीलंका की 20 सदस्यीय टीम में शामिल हैं जिसमें पांच टी20 इंटरनेशनल शामिल हैं। टीम के ट्रेनर दिलशान फोन्सेका भी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। तीन फरवरी को टीम के ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले ये मामले सामने आए हैं। दोनों दस्ते और सहयोगी स्टाफ के बीच किए गए एक नियमित पीसीआर परीक्षण के दौरान पॉजिटिव मामले पाए गए जो वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया के लिए टीम के प्रस्थान से पहले बायो-सिक्योर बबल में हैं। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने सोमवार को एक बयान में कहा, दोनों वर्तमान में कोविड-19 प्रोटोकॉल से गुजर रहे हैं और 10 फरवरी को टीम में फिर से शामिल हो जाएंगे। तुषारा की तेज गेंदबाजी एक्शन की तुलना पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा के साथ हुई है जो लंका प्रीमियर लीग में शीर्ष तीन विकेट लेने वालों में से एक थे। उन्होंने गैल ग्लैडिएटर्स के लिए 8.11 की इकॉनमी दर के साथ 8 मैचों में 12 विकेट लिए। एक रिपोर्ट के अनुसार तुषारा छह दिन पहले कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। उनका दूसरा आरटी-पीसीआर परीक्षण मंगलवार के लिए निर्धारित है, प्रारंभिक परीक्षण से 7वें दिन, लेकिन टीम 3 फरवरी को उड़ान भरने के लिए तैयार है, एसएलसी और उसकी मेडिकल टीम को यह तय करना होगा कि तुषारा बाकी खिलाड़ियों के साथ यात्रा कर सकते है या नहीं। रिपोर्ट में एसएलसी के चिकित्सा विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अर्जुन डी सिल्वा ने भी कहा था कि अगर मंगलवार को एक नकारात्मक परीक्षण आता है तो तुषारा को बाकी टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए मंजूरी मिलने से पहले एक और परीक्षणों से गुजरना होगा। उन्होंने कहा कि हमने अभी भी उस पर फैसला नहीं किया है। आम तौर पर सामान्य प्रोटोकॉल के तहत, हम कार्डियक और फेफड़ों का आकलन करते हैं। अगर हम उसे टीम के साथ भेजते हैं, तो उसका दूसरा टेस्ट नेगेटिव आने पर हमें उसके खेलने से पहले ऑस्ट्रेलिया में उसका आकलन करना होगा। श्रीलंका को 11 से 20 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया में पांच टी20 मैच खेलनी हैं जिसमें पहले दो मैच सिडनी में होंगे। इसके बाद तीसरा मैच कैनबरा में होगा और उसके बाद मेलबर्न में दो मैचों की मेजबानी की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल में अय्यर, कमिंस सहित इन खिलाड़ियों पर लग सकती है करोड़ों की बोली

मुम्बई । आईपीएल के 15 वें सत्र के होने वाली मेगा नीलामी 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होगी। इसमें इस बार आठ की जगह दस टीमें भाग लेंगी। इस नीलामी की नई टीमें लखनऊ और अहमदाबाद हैं। नीलामी में श्रेयस अय्यर , पैट कमिंस सहित पांच खिलाड़ियों पर करोड़ों की रकम लगायी जा सकती है।

श्रेयस अय्यर = श्रेयस अय्यर टी20 लीग के पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरे थे पर इस बार उन्होंने दिल्ली छोड़ दी है और ऐसे में आरसीबी और केकेआर जैसी टीमें उन्हें बड़ी रकम देकर खरीद सकती हैं। श्रेयस का आधर मूल्य 2 करोड़ रुपए रखा गया है।

पैट कमिंस : ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस पिछले सीजन में केकेआर की ओर से उतरे थे। उन्होंने एशेज में भी अच्छा शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे में वे टी20 में गेंद और बल्ले दोनों से कमाल का प्रदर्शन कर चुके हैं। ऐसे में सभी टीमों उन्हें खरीदना चाहेंगी।

डेविड वॉर्नर : अनुभवी बल्लेबाज डेविड वार्नर पिछले बार सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान थे पर सत्र के बीच में ही टीम ने उन्हें हटा दिया था। वह आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज हैं, ऐसे में कई टीमें उन्हें बड़ी रकम देकर खरीद सकती हैं।.

कागिसो रबाडा : दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने पिछली बार दिल्ली कैपिटल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। वह अभी विश्व के सबसे बेहतर गेंदबाजों में शामिल हैं। ऐसे में उनपर टीमें बड़ी बोली लगा सकती हैं।

ट्रेंट बोल्ट : न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने आईपीएल में अब तक मुम्बई इंडियंस और कोलकाता नाइटरायडर्स (केकेआर) की ओर से खेला है। इस बार उन्हें अन्य टीमें बड़ी रकम देकर अपने से जोड़ना चाहेंगी।

कप्तानी छोड़ने के बाद बल्लेबाज के रूप में योगदान देना चाहते हैं कोहली

नयी दिल्ली,

महेंद्र सिंह धोनी का उदाहरण देते हुए विराट कोहली ने कहा कि नेतृत्वकर्ता होने के लिए किसी को टीम का कप्तान होना जरूरी नहीं है और अब भारतीय टीम का कप्तान नहीं होने के कारण वह टीम के मुख्य बल्लेबाज के रूप में और अधिक योगदान दे सकते हैं। कोहली ने इस महीने की शुरुआत में क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया जब दक्षिण अफ्रीका में 1-2 से श्रृंखला गंवाने के बाद उन्होंने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी। वह भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। इससे पहले टी20 विश्व कप के बाद कोहली ने इस प्रारूप में भारतीय टीम की कप्तानी छोड़ दी थी और बाद में उन्हें एकदिवसीय टीम के कप्तान के रूप में हटा दिया गया था। 'डिजिट' की 'फायरसाइड चैट विद वीके' में कोहली ने बात की कि कैसे टीम का नेतृत्वकर्ता नहीं होने के बावजूद टीम के लिए योगदान दिया जा सकता है। कोहली ने कहा, ''सभी चीजों का एक कार्यकाल और समय होता है। बेशक आपको इसकी जानकारी होनी चाहिए। लोग कह सकते हैं कि 'इस आदमी ने यह क्या कर दिया' लेकिन आपको पता है कि जब आप आगे बढ़ने तथा और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के बारे में सोचते हो, आपको महसूस होता है कि आपने अपना काम कर दिया है।'' उन्होंने कहा, ''अब बल्लेबाज के रूप में शायद आप टीम के लिए अधिक योगदान दे सकते हो। आप टीम को अधिक जीत दिला सकते हो। इसलिए इस पर गर्व कीजिए। नेतृत्वकर्ता होने के लिए आपको कप्तान होने की जरूरत नहीं है। यह सामान्य सी बात है।'' कोहली पहले धोनी की जगह टेस्ट में और फिर सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम के कप्तान बने। उन्होंने कहा, ''जब महेंद्र सिंह धोनी टीम में था तो ऐसा नहीं था कि वह नेतृत्वकर्ता नहीं था। वह फिर भी वह व्यक्ति था जिसके पास हम सलाह के लिए लगातार जाया करते थे। '' इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ''लेकिन उसे समझना था कि हां यह नैसर्गिक प्रगति है और मेरे जिम्मेदारी संभालने का स्वाभाविक समय और भारतीय क्रिकेट को उस स्तर पर आगे ले जाना जहां मैं चाहता हूं। जब तक मुझे लगता है कि मैंने यह काम अच्छी तरह किया है और मेरा कोई भौतिकवादी लक्ष्य नहीं है तो फिर इसका प्रभाव लंबा होता है।'' कोहली ने आगे बढ़ने के समय पर भी बात की। रोहित शर्मा को उनकी जगह सीमित ओवरों के प्रारूप में भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई है लेकिन बोर्ड ने पांच दिवसीय प्रारूप में उनके उत्तराधिकारी की घोषणा अभी नहीं की है।

आकाश चोपड़ा का बड़ा बयान, कहा- भारत को सफेद गेंद में नई शैली की जरूरत

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय ओपनर और मौजूदा कमेंटेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारत को सफ़ेद गेंद की क्रिकेट में नई शैली की जरुरत है। आकाश ने कहा कि सफ़ेद गेंद की क्रिकेट खेलने का हर टीम का अपना निश्चित तरीका होता है। इंग्लैंड की टीम शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाती है और उसी पर टिकी रहती है। ऑस्ट्रेलिया अपने अंदाज़ में विस्फोटक है जो अंतिम ओवरों में तेज़ी से रन बनाने पर विश्वास रखता है। न्यूज़ीलैंड स्थिरता के साथ जाना पसंद करती है और इसलिए अपने खिलाड़ियों को सारी भूमिकाएं निभाने के लिए समर्थन देती है। उन्होंने कहा कि खेलने की ये रणनीतियां आपके पास मौजूद बल्लेबाजों, गेंदबाजों, पिच और परिस्थितियों पर निर्भर करती हैं। यदि आपके पास एक शक्तिशाली गेंदबाज़ी क्रम है, तो आप विशाल स्कोर खड़ा करने को नहीं देखते हैं। अगर आपके पास बल्लेबाजी के विकल्प हैं तो आप विशेषज्ञ गेंदबाजों की जगह बल्लेबाज़ी क्रम में गहराई के साथ जाना पसंद करते हैं। इंग्लैंड ने इसी को अपनी सफेद गेंद क्रिकेट का मूलमंत्र बना लिया है। इसके चलते उन्हें हर बार बल्ले से 15-20 रन अधिक बनाने पड़ते हैं। यह बल्लेबाजी कौशल के आधार पर गेंदबाज़ों का चुनाव करने की क़ीमत है, जो उन्हें चुकानी पड़ती है। आकाश ने कहा कि इसके विपरीत वेस्टइंडीज, ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करने वाले खिलाड़ियों की टीम है। वह जीत दिलाने के लिए व्यक्तिगत प्रतिभा पर भरोसा करती है। यदि वे असफल होते हैं, तो परिणामस्वरूप आपको हाल ही में समाप्त हुए टी20 विश्व कप जैसा निराशाजनक प्रदर्शन देखने को मिलता है। तो आखिरी सफेद गेंद की क्रिकेट में भारत का टेम्प्लेट (अंदाज़) क्या है? चूंकि वह काफी सफल और नामचीन टीम हैं, यह मान लेना उचित है कि उसके पास एक सुविचारित योजना है। आइए इस योजना को समझने का प्रयत्न करते हैं और साथ ही यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि 9 सालों से यह टीम आईसीसी ट्रॉफी क्यों नहीं जीत पाई है। आकाश ने कहा कि पिछले 6-7 सालों में भारत के पास रोहित शर्मा, शिखर धवन, विराट कोहली और लोकेश राहुल के रूप में विश्व का सर्वश्रेष्ठ शीर्ष क्रम रहा है। इनका हुनर ऐसा है कि इन चारों में से कोई भी तीन खिलाड़ी किसी भी समय विश्व की किसी भी टीम के शीर्ष क्रम में अपनी जगह बना सकते हैं।

फीडे महिला कैंडीडेट शतरंज में हम्पी को अवसर

नई दिल्ली । फीडे महिला कैंडीडेट शतरंज में भारत की एकमात्र खिलाड़ी कोनेरु हम्पी भी जगह बनाने में सफल रही हैं। इस प्रतियोगिता में रूस की तीन जबकि चीन और उक्रेन की दो-दो खिलाड़ियों को जगह मिली है। विश्व शतरंज संघ ने हालांकि इस टूर्नामेंट के लिए अभी समय और स्थान की घोषणा नहीं की है पर पिछले दो साल से चल रही विभिन्न प्रतियोगितों के आधार पर टूर्नामेंट के जिए जिन आठ खिलाड़ियों के नाम तय हुए हैं। वे हैं भारत की कोरेरु हंपी, रुस की अलेक्सान्द्रा गोरयाचकिना, रुस की ही लागनों काटेरयना, चीन की ली टिंगजे, रुस की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक, चीन की तान ज़्होंगयी जबकि उक्रेन की अन्ना मुजयचूक और मारिया मुजयचूक भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट में भाग ले रही भारत की हम्पी के पास क्लासिकल विश्व चैम्पियन बनने का यह अच्छा अवसर है।

इंडियन सुपर लीग : डूबती नैया को बचाने के लिए संघर्ष करेंगे गोवा और ओड़िसा

बैम्बोलिन ।

एफसी गोवा जानती है कि उसके हाथ से समय निकला जा रहे हैं और हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 में उसकी डूबती नैया को आगामी मैच में जीत कुछ हद तक थामेगी। लेकिन मंगलवार को बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में उसका सामना ओड़िसा एफसी के रूप ऐसे प्रतिद्वंदवी होगा, जो अपने अभियान को जीत की पटरी पर वापस लाने के लिए दृढ़ संकल्प है। गोवा पिछले चार मैचों से जीत से दूर है और 14 मैचों में 14 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। कोच डेरिक परेरा की टीम अपने पिछले मैच में आकर्षक फुटबाल खेलने के बावजूद जमशेदपुर से हार गई थी। परेरा जानते हैं कि जीत की राह पर चलने के लिए उनके लड़कों मिलने वाले अवसरों को भुनाना होगा। अगर गोवा को प्लेऑफ में जगह बनानी है तो उसे अभी से मैच जीतने शुरू करने पड़ेंगे लेकिन उसके प्रतिद्वंद्वी ओड़िसा की स्थिति भी समान है। ओड़िसा 13 मैचों में पांच जीत और दो ड्रा से 17 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर है। गोवा के लिए गोल नहीं करना एक बड़ी समस्या रही है, क्योंकि उसने सीजन में अन्य टीमों की तुलना में स्कोरिंग के अवसर बहुत बनाए और ज्यादा शॉट लगाने के प्रयास किए हैं। जमशेदपुर के खिलाफ पिछले मैच में गोवा के तीन शॉट गोलपोस्ट या क्रॉसबार में लगे, जो कि इस सीजन के मैच में सबसे ज्यादा है। कोच परेरा ने कहा, %हमारा इरादा हमेशा तीन अंक हासिल करना होता है और हम लड़ते रहेंगे। हम कभी हार नहीं मानेंगे।% उधर, ओड़िसा पिछला मैच हारने के बावजूद गोल कर रही है और देर से गोल करने की क्षमता से कोच किनो गार्सिया को खुश होना चाहिए। क्रिस्टियन जोनाथस भी पिछले मैच में गोल करने वालों में शामिल थे और वो इस सीजन में मैच के अंतिम 15 मिनट में ओड़िसा का नौवां गोल था। जोनाथस चार गोल कर चुके हैं और केवल अरिदाई कैबरेरा (5) ने ओड़िसा के लिए उनसे अधिक गोल किए हैं। गार्सिया ने कहा, 'पिछले मैचों में हम अच्छा खेल रहे हैं। हम जीते नहीं या फिर अंक प्राप्त नहीं कर पाए लेकिन हमारा प्रदर्शन काफी अच्छा था। सकारात्मक बात यह है कि टीम ने उन चीजों को आजमाने में बहादुरी दिखाई है जिनकी ट्रेनिंग हमने की है। हम गेंद अपने नियंत्रण में रख करके ज्यादा मौके बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

तो खिलाड़ियों का रवैया अच्छा है। यह एक कड़ा मुकाबला होगा। गोवा उस स्थान के लायक नहीं है, जहां वो है। वो काफी अच्छा खेल रही है।

बुडापेस्ट में पुरुषों के हैंडबॉल मुकाबले में जीत के बाद उत्साहित स्वीडन की टीम।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उपहार का ऐसा लेनदेन ना ही करो तो बेहतर

बेबी की दोस्त अलका ने कान में जो टॉप्स पहने थे उसमें एक सफेद मोती चिपका था। वो बड़े जतन से उसे संभाल कर पहने थी। कहीं गिर न जाएं। बेबी ने पूछा ऐसे क्यों कर रही ? अलका ने बड़े प्यार और गर्व से बताया कि मेरी भाभी नेपाल से ये टॉप्स सच्चे मोती के लाई है। बहुत महंगे हैं। सुन कर बेबी जोर-जोर से हंसने लगी। बोली ये टॉप्स आड़ा बाजार के हैं। ठेलों में दस-दस रूपये में मिल रहे हैं। तेरी भाभी जब खरीद रही थी तब मैं भी वहीं खड़ी थी। ये देख मैंने भी लिये। अलका का मुंह उतर गया। शर्मिंदगी होने लगी खुद पर। सोचने लगी उसकी भाभी ने ऐसा उसके साथ क्यों किया? पर कोई कारण उसे समझ ही नहीं आया। एक बार लक्ष्मी को डॉक्टर ने हवा पानी बदलने की सलाह दी। ज्यादा दूर जाने की बजाय उसके घर के लोगों ने उन्हें पचमढ़ी जाने की सलाह दी। उस की बड़ी बहन भी भोपाल ही रहती थी तो उसे भी ठीक लगा। वहां एक रात रुकने का इरादा किया। अगली सुबह पचमढ़ी, फिर वापिस इंदौर लौट आने का कार्यक्रम तय हो गया। अपनी नन्ही सी बेटी के साथ निजी वाहन में चल पड़े। शादी के बाद पहली बार बहन के घर जा रहे थे। बड़े खुश थे। रात को पहुंच कर खाना खाया और सुबह निकलने की तैयारी की। बहन हाथ में कुछ पैकेट लिए आई। कंकू लगाया और पैकेट थमा दिए। लक्ष्मी ने ऐसे के ऐसे ही बेग में रख लिए। तय कार्यक्रम से पचमढ़ी टूर पूरा किया, घर लौट आये। सभी के सामने बड़ी बहन के दिए गिफ्ट खोले। उसमें लक्ष्मी की सालभर की गुडिया का छोटा सा गर्मियों में पहनने सा दो बद्दी वाला लेडिस रुमाल के जितने कपड़े वाला फ्राक/झबला, पति के लिए खादी का कुरता, लक्ष्मी के लिए सलवार कुर्ता था।

यहां तक तो ठीक है पर जब देखा तो उसमें प्राइज टेग लगे थे। उनमें सभी की कीमत लिखीं थी। जानते हैं उनमें क्या कलाकारी थी? उसने उन सभी में अंक बढा दिए थे। किसी में आगे जीरो किसी में पीछे संख्या। साथ ही जिस पेन से किये उनकी स्याही का रंग व लिखावट में भारी अंतर था। वो भूल गई की सभी अन्न खाते हैं। लक्ष्मी के ससुर उसी वक्त घर के सामने ही खादी ग्रामोद्योग की दुकान गए और वहां से उनकी असल कीमत जानी। कितनी हद है यह तो। आपने अपनी मर्जी से दिए थे न, तो फिर ऐसी नालायकी करने की क्या जरुरत आ पड़ी। उसकी बहन का पति बैंक मनेजर, वो खुद सेंट्रल गवरमेंट की अच्छी खासी नौकरी में थी। शायद लक्ष्मी व उसके पति को उसने अपनी झूठी शान की छाप छोड़ने के लिए ऐसी बेवकूफाना हरकत की हो। पर ये निरी परम मूर्खता ही थी। जिससे लक्ष्मी को तो लज्जित होना ही पड़ा, संबंधों में भी आजन्म खटास पैदा हो गई। लक्ष्मी ने तुरंत यह कह कर सब वापिस भेज दिए कि हम इतने महंगे कपड़े नहीं पहनते। उसकी बहन को समझ तो सब आ गया था पर जिसकी आंखों और अक्ल में बेशर्मी की पट्टी चढ़ी होती है उसे कुछ भी दिखाई जो नहीं देता। और ऐसे लोग ऐसी हरकतों से बाज भी नहीं आते। कभी 'म्यांमार' की साड़ी पहनी है आपने? साडियां पहनने वाला भारत देश अब म्यांमार से साड़ी बुलवाएगा। सोच कर ही तरस आता है ऐसे लोगों पर। निधि के मकान का वास्तु हुआ था। उसकी मामी ने एक साड़ी उसे यह कहकर ओढाई की तेरे मामा इसे म्यांमार से तेरे लिए लाये हैं। हरे रंग की मोटे रेग्जिन से कपड़े वाली साड़ी का वे जोर जोर से सबके बीच 'इम्पोर्टेड है' कह कर बखान रहे थे। निधि पढी-लिखी डॉक्टरेट थी। पर चुप थी।

उसकी भाभी ने बताया की यह साड़ी मामी को उनके पीहर से उनकी भाभी ने दी थी जो इन्हें पसंद नहीं आई। आनी भी नहीं थी। हम भारतवासीयों को 'म्यांमार' की साड़ी कैसे पसंद ? बस उन्होंने 'टिका' दी निधि को। अकेले में निधि ने मामी से पूछ ही लिया कि 'मामी विदेशों में वो भी म्यांमार जैसी जगह साडियां कैसे? मैंने तो कहीं पढ़ा-सुना नहीं। यदि हैं तो गईं भारत से ही होंगी न? वैसे ऐसी साड़ी मैंने आपके पीहर में किसी के पास देखी है।'

बस मामी को काटो तो खून नहीं। उनका दांव फेल जो हो गया था। आज की भाषा में 'एक्सपोज' होना कहते हैं इसे। क्यों करते हैं लोग ऐसा समझ से ही परे है। इन सभी परिस्थितियों को आपको खुद ही अपनी बुद्धि व विवेक से परिस्थितियों के मद्देनजर निपटना व सुलझाना होता है। इस बीमारी का कोई परमानेंट ईलाज आज तक नहीं मिल पाया है। 'जैसे को तैसा' वाला फार्मूला चला सकें तो लगाइए। वरना भुगतें। सहन करें। या 'मुंह फट' हो जाइए। क्योंकि ऐसा ही कुछ आपके, हमारे, हम सभी के साथ कभी न कभी घटता है। यदि नहीं तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।

ये सारे लोग किसी दूसरे ग्रह से नहीं आते। यहीं होते हैं हमारे साथ, हमारे आस-पास। कुछ अपने कुछ पराये जिन्हें दूसरों के साथ ऐसा करने की गन्दी लत पड़ी होती है। यह तो कुछ छोटे से, जरा से ही उदाहरण मैंने पेश किए हैं। इनके आलावा भी कई और कई प्रकार के , कई मौकों पर गिफ्ट-गेम इज्जत का फलूदा करते-कराते खेले जाते हैं और खेले जाते रहेंगे। कारण कई हो सकते है क्योंकि ये जीवन है, इस जीवन का यही है.

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से नहीं आएगी दुर्गन्ध

अपनाएं ये आसान टिप्स

सर्दियों के मौसम में हवा में नमी होने की वजह तो कई बार गलत तरीके से कपड़ों की सफाई करने से तो कभी गलत तरीके से कपड़े को रखने से बदबू आने लगती है। अगर कपड़े की सफाई से लेकर उसे रख-रखाव पर अच्छे से ध्यान दिया जाए तो किसी भी मौसम में कपड़ों से बदबू नहीं आएगी।

यार, 'आज ही तो इसे अलमारी से निकाला है पहनने के लिए और पता नहीं इस ड्रेस से अजीब किस्म की दुर्गंध आ रही है'। कुछ दिन पहले भी स्वेटर और कोट निकाला था पहनने के लिए उससे भी ठीक ऐसी ही दुर्गन्ध आ रही थी'। शायद, आपने ने भी किसी न किसी से ये शब्द जरूर सुना होगा कि गर्मी के मौसम तो नहीं लेकिन, सर्दी के मौसम में ऊनी कपड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से एक अजीब किस्म की बदबू आती है। ऐसे में अगर अन्य कपड़ों से लेकर सर्दियों के कपड़ों से कुछ अजीब किस्म की बदबू आती है, तो फिर आपको इस लेख को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप किसी भी कपड़े से दुर्गन्ध को आसानी से दूर कर सकती हैं, तो आइए जानते हैं।

गुलाब जल का इस्तेमाल करें

जी हां, सर्दियों में कपड़ों से किसी भी दुर्गन्ध को दूर करने के लिए जुलाब जल एक बेस्ट उपाय हो सकता है। इसके इस्तेमाल से ऊनी पकड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से भी दुर्गन्ध आसानी से गायब हो सकती है। इसके लिए फ्रेश कपड़ों पर छिड़काव करने की जरूरत नहीं बल्कि, सफाई के दौरान इस्तेमाल करने की जरूरत है। इसके लिए फॉलो करें आसान स्टेप्स-

- सबसे पहले दो से तीन लीटर पानी में तीन से चार चम्मच नॉर्मल डिटर्जेंट पाउडर को डालकर एक मिश्रण तैयार कर लीजिए।
- अब आप इस घोल में कपड़े को डालकर कुछ देर बाद अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद तीन से चार लीटर पानी में साफ किए कपड़े को अच्छे से धो लें।
- फिर से एक से दो लीटर पानी में एक से दो चम्मच गुलाब जल को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और इस पानी में साफ किए कपड़े को डालकर कुछ देर ले लिए छोड़ दें।
- लगभग 5 मिनट बाद पानी में से कपड़े को निकालकर अच्छे से पानी को निचोड़ लें और धूप में रख दें।
- ध्यान रहे जब तक कपड़ा एकदम ठीक से सुख न जाए तब तक उसे अलमारी में न रखें।
- इससे कपड़े में से कभी भी बदबू नहीं आएगी। कपड़ा हमेशा सुगन्धित रहेगा।

ऊनी कपड़ों से ऐसे करें दुर्गन्ध को दूर

सर्दी के मौसम अगर सबसे अधिक किसी कपड़े से अजीब किस्म की बदबू आती है, तो वो है ऊनी के कपड़े। कई बार गलत तरीके से स्टोर करने या फिर नमी वाली जगह रखने पर इससे दुर्गन्ध आने लगती है। कई बार ठीक से सफाई न करने या फिर गलत डिटर्जेंट के इस्तेमाल करने से भी बदबू आने लगती है। ऐसे में ऊनी कपड़ों से किसी भी बदबू को दूर करने के लिए आप लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए फॉलो करें ये आसान स्टेप्स-

- सबसे पहले तीन से चार लीटर पानी में इजी लिक्विड डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।
- अब इस घोल में स्वेटर और अन्य ऊनी के कपड़ों को डालकर लगभग 10 मिनट के बाद अच्छे से साफ कर लें।
- अब इन कपड़ों को फ्रेश पानी में अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद दो से तीन लीटर पानी में एक चम्मच लैवेंडर ऑयल अच्छे से मिक्स कर लें और इस मिश्रण में साफ ऊनी के कपड़े डालकर निकाल लें और अच्छे को पानी निचोड़ लें। इसके बाद इसे धूप में अच्छे से सुखने के लिए रख दें। इससे ऊनी कपड़ों से कभी भी दुर्गन्ध नहीं आएगी।

इन टिप्स को भी आप कर सकती हैं फॉलो

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर करने के लिए आप सिर्फ जुलाब जल या लैवेंडर ऑयल का ही इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं बल्कि, इसके अलावा कई चीजें हैं जिसके इस्तेमाल से आप कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर कर सकती हैं। सफाई के दौरान आप एक से दो चम्मच सिरका, चन्दन के तेल के अलावा आप अन्य किसी सेंटेड ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

इन बातों का भी रखें विशेष ध्यान

- सर्दियों के मौसम में किसी भी कपड़े को नमी वाली जगह रखने से बचें।
- ऊनी कपड़े या अन्य कपड़ों को कुछ समय के लिए धूप में जरूर रखें।
- वाशिंग मशीन में कपड़ों को साफ करते समय आप उसमें गुलाब जल, जैस्मिन ऑयल या फिर अन्य सेंटेड ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- अलमारी या अन्य जगह रखें कपड़ों पर आप सुगंधित स्प्रे का छिड़काव कर सकती हैं या सुगंधित स्प्रे से कॉटन को अच्छे से भिगोकर अलमारी में भी रख सकती हैं।
- अगर कपड़े में हल्का भी नमी है तो उसे फोल्ड करके अलमारी में न रखें बल्कि उसे हवा के नीचे रखें।
- सर्दियों के मौसम में ऊनी और अन्य कपड़ों को अलग-अलग रखने की कोशिश करें।

ड्राइंग रूम की सजावट में रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में कोई भी भवन खरीदते या उसकी सजावट करते समय कई बातों का ध्यान देना आवश्यक बताया गया है, क्योंकि घर का मुख्य कक्ष, बैठक कहें या ड्राइंग रूम वह जगह है, जहां हम अपने परिवारजनों और कुछ खास मित्रों के साथ कुछ क्षण आनंद से गुजारना चाहते हैं। अक्सर देखने में आता है कि किसी अन्य मित्र के घर के ड्राइंग रूम में जाने पर हमें अजीब-सा भारीपन महसूस होता है, जबकि दूसरे मित्र के ड्राइंग रूम में हल्कापन लगता है। आइए जानें कैसी हो ड्राइंग रूम की सजावट

- ड्राइंग रूम में प्रकाश, घड़ी, कैलेंडर और तस्वीरों के चयन में भी सावधानी रखी जानी चाहिए।
- विशेष रूप से यह ध्यान रखना चाहिए कि वे तनाव बढ़ाने वाले न हों। जहां तक हो सके प्रयास किया जाए कि अध्ययन कक्ष, बेडरूम तथा अन्य कक्षों के भीतरी भाग बैठक से नजर न आएं।
- बैठक से अध्ययन कक्ष की मेज तथा काम के अन्य उपकरण दिखाई देने से भी बैठक में तनाव बढ़ता है।
- वास्तु और फेंगशुई के प्रचार के बाद से वास्तव में लोग अपने मकान के निर्माण या बना-बनाया फ्लेट खरीदते समय वास्तु आदि पर ध्यान तो देने लगे हैं, किंतु मकान में प्रवेश करने के बाद उसकी सजावट करते हुए वास्तु और फेंगशुई को प्राय: भूल जाते हैं।
- जबकि सोफा, टेबल आदि फर्नीचर का आकार, दीवारों की सजावट, चित्रों की विषय वस्तु, प्रकाश व्यवस्था आदि सब मिलकर वास्तु का प्रभाव तय करते हैं।
- दरवाजे के ठीक ऊपर लगा कैलेंडर या बंद पड़ी घड़ी से भी बैठक की अच्छी ऊर्जा प्रभावित हो जाती है।
- फर्नीचर खरीदी करने का तरीका अक्सर यह रहता है कि दुकान पर गए, जो पसंद आया, उठा लाए। फिर चाहे वह बैठक के अनुपात में हो, रंगों आदि से मेल खाता हो या न हो।
- ड्राइंग रूम के आकार के अनुपात से बड़ा सोफा अच्छी ऊर्जा अर्थात ची को प्रभावित करता है और भारी सोफा गृहस्वामी के अलावा आगंतुकों के लिए भी भारीपन की रचना करता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि ड्राइंग रूम के लिए फर्नीचर का चुनाव करते हुए उनके आकार का ध्यान जरूर रखें।

अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है या वह पढ़ाई से जी चुरा रहा है, उसका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता हैं तो आप नीचे दिए गए टिप्स के अनुसार बच्चे के कमरे में वास्तु परिवर्तन करेंगे तो निश्चित ही वह मन लगाकर पढ़ेगा तथा उसका स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा।

अगर ऐसा होगा आपके बच्चे का रूम तो पढ़ाई में होगा सर्वश्रेष्ठ

- बच्चों के कमरे में पर्याप्त रोशनी आनी चाहिए। व्यवस्था ऐसी हो कि दिन में पढ़ते समय उन्हें कृत्रिम रोशनी की आवश्यकता ही न हो।
- जहां तक संभव हो सके, बच्चों के कमरे की उत्तर दिशा बिलकुल खाली रखना चाहिए।
- उनके किताबों की रैक नैऋत्य कोण में स्थित हो सकती है।
- खिड़की, एसी तथा कूलर उत्तर दिशा की ओर हो।
- बच्चों के कमरे में स्थित चित्र एवं पेंटिंग्स की स्थिति उनके विचारों को प्रभावित करती है इसलिए हिंसात्मक, फूहड़ एवं भड़काऊ पेंटिंग्स एवं चित्र बच्चों के कमरे में कभी नहीं होना चाहिए।
- महापुरुषों के चित्र, पालतू जानवरों के चित्र, प्राकृतिक सौंदर्य वाले चित्र तथा पेंटिंग्स बच्चों के कमरे में हो सकती हैं।
- भगवान गणेश तथा सरस्वती जी का चित्र कमरे के पूर्वी भाग की ओर होना चाहिए। इन दोनों की देवी-देवताओं को बुद्धिदाता माना जाता है अत: सौम्य मुद्रा में श्री गणेश तथा सरस्वती की पेंटिंग या चित्र बच्चों के कमरे में अवश्य लगाएं।
- आपका बच्चा जिस क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देख रहा है, उस करियर में उच्च सफलता प्राप्त व्यक्तियों के चित्र अथवा पेंटिंग्स भी आप अपने बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं।
- यदि बच्चा छोटा हो, तो कार्टून आदि की पेंटिंग्स लगाई जा सकती है।
- बच्चों के कमरे में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि घर में होने वाला शोरगुल उन्हें बिलकुल बाधित न करे अत: बच्चों के कमरे से घर की तरफ कोई खिड़की या झरोखा खुला हुआ नहीं होना चाहिए।
- बच्चों की श्रेष्ठ उन्नति के लिए उनके कमरे का वास्तु के अनुकूल होना आवश्यक है।
- यदि उपर्युक्त तथ्यों में आपके बच्चों के कमरे में कोई कमी है, तो उसे परिवर्तित कर वास्तु के अनुकूल बना सकते हैं। ऐसा करने पर निश्चित रूप से आपके बच्चे के मानसिक विकास एवं उसकी ग्राह्य क्षमता में परिवर्तन नजर आएगा।

सार समाचार

कोविड नियमों का उल्लंघन कर पार्टी में शामिल होने वाले हांगकांग के अधिकारी ने इस्तीफा दिया

हांगकांग। हांगकांग में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच, एक वरिष्ठ अधिकारी को इस महीने दो सौ अतिथियों के साथ जन्मदिन की एक पार्टी में शामिल होने के कारण सोमवार को इस्तीफा देना पड़ा। चीन की संसद के एक प्रतिनिधि विटमान हंग के जन्मदिन पर आयोजित पार्टी में गृह मामलों के सचिव कैस्पर सुई समेत कई नेता और अधिकारी शामिल हुए थे और बाद में कम से कम एक अतिथि की जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। पार्टी के बाद उनमें से सभी को पृथक-वास में भेज दिया गया था। सुई ने सोमवार दोपहर को जारी के बयान में कहा कि उन्होंने 'हाल में संक्रमण फैलने के दौरान बहुत अच्छा उदाहरण पेश नहीं किया था।' हांगकांग की नेता कैरी लैम और अन्य अधिकारियों ने बड़ी संख्या में एक जगह पर एकत्र नहीं होने के लिए जनता से आग्रह किया था। सुई ने कहा, 'तीन जनवरी को बैंक्वेट में शामिल होकर मैंने गलत निर्णय लिया और अनुचित व्यवहार किया। मैंने यह ऐसे समय किया जब वायरस को फैलने से रोकने के लिए सभी उपाय किये जाने चाहिए थे।' उन्होंने कहा, 'मैंने जो किया उसकी जिम्मेदारी लेता हूं और इसलिए मैंने गृह मामलों के सचिव पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया है।

पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में बंदूकधारियों ने पादरी की हत्या की, अन्य घायल

पेशावर (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर पेशावर शहर में रविवार की प्रार्थना के बाद घर लौट रहे एक पादरी की अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी और एक अन्य को घायल कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी और इसे 'आतंकवादी कृत्य' बताया। पुलिस ने बताया कि पेशावर के गुलबहार इलाके में हुए हमले में बिशप विलियम सिराज को कई बार गोली मारी गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि फादर नईम पैट्रिक घायल हो गए। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और तलाश अभियान शुरू किया। अपराधियों को पकड़ने के लिए प्रवेश और निकास द्वार पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। किसी भी संगठन ने तत्काल इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हाल के वर्षों में पाकिस्तान में अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय के लोगों को निशाना बनाकर किए जा रहे आतंकवादी हमले में यह ताजा मामला है। कैपिटल सिटी पुलिस के अधिकारी अब्बास अहसान ने कहा कि घटना में दो हमलावर शामिल थे। उन्होंने कहा, 'इस संबंध में विस्तृत जांच शुरू की गई है।' अधिकारी ने इसे एक 'आतंकवादी कृत्य' बताया। अहसान ने कहा, ह्यह्यहम अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) और पेशावर पुलिस के अधिकारियों की एक टीम बनाई गई है। पुलिस ने कहा कि वे मोटरसाइकिलों पर भागे हमलावरों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर रहे हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा, 'अपराध स्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं और सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है।' बयान के अनुसार, 'विलियम सिराज चमकनी पुलिस थाना अंतर्गत एक गिरजाघर में पादरी थे।' 'बयान में कहा गया है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है, जबकि आगे की जांच जारी है। लेडी रीडिंग अस्पताल के एक प्रवक्ता ने बताया कि घायल पादरी को मामूली चोट आई थी, उन्हें इलाज के बाद छुट्टी दे दी गयी है। पाकिस्तान उलेमा काउंसिल के अध्यक्ष और अंतरधार्मिक सद्भाव एवं पश्चिम एशिया के लिए प्रधानमंत्री के विशेष प्रतिनिधि हाफिज मोहम्मद ताहिर महमूद अशरफी ने पादरी पर हमले की निंदा की। मुख्यमंत्री महमूद खान ने हमले की निंदा की है और पुलिस को हमलावरों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अपराधी कानून के शिकंजे से नहीं बच पाएंगे। खान ने घायल फादर के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया। बिशप की हत्या के विरोध में गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने रिंग रोड जाम कर दिया। साल 2017 की जनगणना के अनुसार, पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़े धार्मिक अल्पसंख्यक हैं। ईसाई समुदाय दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक अल्पसंख्यक है।

कराची के आसमान में दिखी तेज चमक तो घबराकर घरों के बाहर निकल आए लोग

कराची । पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची और सिंध प्रांत के अन्य हिस्सों के आसमान में शनिवार की रात एक रहस्यमय चमक दिखाई दी जो कुछ देर बाद गायब हो गई। बताया जाता है कि यह उल्कापिंड की चमक थी। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने शाम करीब 7 बजे इस उल्कापिंड को गिरते देखा। सोशल मीडिया में इसके कई वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। पाकिस्तानी खगोलविदों ने इस उल्कापिंड के गिरने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा उल्कापिंड धरती के वातावरण में आते ही जल गया होगा और फिर बाद में यह धरती पर गिर गया। मौसम विशेषज्ञ जवाद मेमन ने कहा इस तरह के उल्कापिंड इंसानों के लिए खतरा नहीं होते। उल्कापिंड आसमानी चट्टान होती है जो धरती के वातावरण में प्रवेश करने पर अत्यधिक दबाव का सामना करती है और गर्म होकर जल उठती है। नासा के मुताबिक जो चमकदार पूंछ दिखाई देती है, वह वास्तव में चट्टान नहीं होती है बल्कि गर्म हवा होती है। जब धरती पर बड़े.पैमाने पर उल्कापिंड गिरते हैं तो इसे उल्कापिंडों की बारिश कहा जाता है। धरती के वातावरण में हर दिन हजारों की तादाद में उल्कापिंड प्रवेश करते हैं। इनमें से ज्यादातर समुद्र और बंजर इलाकों में गिरते हैं। कई उल्कापिंड दिन में गिरते हैं, इसलिए वे दिखाई नहीं देते हैं। जो उल्कापिंड रात में गिरते हैं, हम केवल उन्हीं को देख पाते हैं। उल्कापिंडों के गिरने के समय कई बार तेज आवाज भी होती है। कराची में उल्कापिंड की रोशनी देखकर कई लोग घबरा गए और अपने घरों से बाहर निकल आए।

गलती से छात्रों के पास पहुंच गया 36 लाख रुपये स्कॉलरशिप देने का संदेश

न्यूयॉर्क । अमेरिका के ऑकलैंड यूनिवर्सिटी के 5500 छात्रों में खुशी की लहर दौड़ उठी जब उन्हें विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रत्येक छात्र को 36 लाख रुपये स्कॉलरशिप देने का संदेश आया। हालांकि हजारों छात्रों की खुशी ज्यादा देर तक नहीं चली और जल्द ही यूनिवर्सिटी को अपनी गलती का अहसास हो गया।इसके बाद में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने एक और ईमेल जारी करके बताया कि उसने गलती से स्कॉलरशिप का संदेश भेज दिया था। यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले 18 वर्षीय छात्र ने बताया कि स्कॉलरशिप के ईमेल में लिखा था बधाई। आपने कड़ी मेहनत की है और आपको इसका इनाम दिया जाता है। यह ईमेल 4 जनवरी को भेजा गया था। उन्हें बताया गया कि स्कॉलरशिप के रूप में उन्हें अगले 4 सालों तक पढ़ाई के दौरान कुल करीब 36 लाख रुपये दिया जाएगा। ईमेल को पढ़कर छात्र और उनके परिवार वाले खुश हो गए। हालांकि छात्र और उनके परिवार की खुशी केवल दो घंटे ही चली। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से एक और ईमेल भेजकर कहा गया कि गलती से उन्हें यह संदेश भेजा था। ऑकलैंड यूनिवर्सिटी ने कहा कि गलती से उसने 5500 छात्रों को यह स्कॉलरशिप पाने का संदेश भेज दिया था। अपने दूसरे ईमेल में यूनिवर्सिटी ने कहा कि आप प्लेटिनम प्रेसिडेंसियल स्कॉलर अवार्ड पाने वाले नहीं हैं। आपको गलती से संदेश भेज दिया गया था। यूनिवर्सिटी के इस संदेश से हजारों स्टूडेंट का दिल टूट गया जो लाखों रुपये की स्कॉलरशिप मिलने की उम्मीद लगाए बैठे थे। कार्नेल की मां ग्वेन ने कहा, 'मेरा बेटा बहुत दुखी और निराश था क्योंकि उसने इस स्कॉलरशिप के लिए कड़ी मेहनत की थी।

आबू धाबी पहुंचे इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हरजोग और उनकी पत्नी मिकेल हरजोग का स्वागत करते हुए यूएई के विदेशमंत्री शेख अब्दुलाह बिन जायद अल नहयान।

कंगाल पाकिस्तान को फिर कर्ज देगा चीन, इमरान की यात्रा में बनेगी सहमति

इस्लामाबाद । नकदी के संकट से जूझ रहा पाकिस्तान चीन से तीन अरब डॉलर का कर्ज जुटाने की कोशिश में है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान की अगले हफ्ते होने वाली चीन यात्रा में कर्ज पर सहमति बन सकती है। खबर के मुताबिक, इमरान तीन फरवरी को बीजिंग का दौरा करने वाले है। इस दौरान उनका चीन के शीर्ष नेताओं से मुलाकात का भी कार्यक्रम है।
पाक सरकार के अधिकारियों ने कहा कि इमरान की यात्रा के दौरान चीन तीन अरब डॉलर के एक और कर्ज को मंजूरी दे सकता है। चीन पहले ही पाकिस्तान को 11 अरब डॉलर के कर्ज दे चुका है। पिछले वित्त वर्ष में पाकिस्तान ने ब्याज के तौर पर चीन को 26 अरब पाकिस्तानी रुपये का भुगतान किया था।
इसके अलावा पाकिस्तान प्राथमिकता वाले छह क्षेत्रों में चीन का निवेश आकर्षित करने के लिए भी कोशिश में लगा हुआ है। पाकिस्तान निवेश बोर्ड के प्रमुख अजफर अहसान ने कहा, ह्यह्यहम कपड़ा, फुटवियर, फार्मा, फर्नीचर, कृषि, वाहन व सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में चीन से निवेश जुटाने की कोशिश में लगे हुए है। इसके लिए पाकिस्तान चीन की करीब 75 कंपनियों को पश्चिम एशिया, अफ्रीका व विश्व के अन्य हिस्सों तक व्यापार मार्ग देने का भी भरोसा दिलाएगा। इससे ढुलाई और श्रम की लागत में कमी आएगी। संघीय नियोजन व विकास मंत्री असद उमर ने कहा कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा प्राधिकरण के सक्रिय होने के बाद सरकार ने विदेशी निवेश जुटाने के लिए इन क्षेत्रों को चिह्नित किया है।

उ.कोरिया ने किया बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण, अमेरिकी क्षेत्र तक कर सकती है हमला

सियोल। (एजेंसी)

उत्तर कोरिया ने सोमवार को पुष्टि की कि उसने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है, जो अमेरिका के ग्वाम क्षेत्र तक मार करने में सक्षम है। हाल के वर्षों में यह उत्तर कोरिया का सबसे शक्तिशाली मिसाइल परीक्षण है। इस परीक्षण के बाद अमेरिका ने क्षेत्र में अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जतायी है। वहीं, उत्तर कोरिया इन परीक्षणों के जरिए परमाणु कूटनीति में गतिरोध के बीच बाइडन प्रशासन पर दबाव बना रहा है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के हाल में हथियारों का परीक्षण तेज करने का मतलब है कि वह प्रतिबंधों में ढील चाहता है या वैध परमाणु संपन्न देश के तौर पर अंतरराष्ट्रीय मान्यता चाहता है। उन्होंने कहा कि अगर रविवार के परीक्षण को लेकर उत्तर कोरिया पर नए प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो वह और बड़े परीक्षण कर सकता है। आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि रविवार को हुए हवासोंग-12 मिसाइल के परीक्षण का उद्देश्य चुनिंदा रूप से बनायी और तैनात की जा रही इस मिसाइल का मूल्यांकन करना और इसकी सटीकता का सत्यापन करना था। उसने बताया कि मिसाइल पर लगे कैमरे ने अंतरिक्ष से पृथ्वी की एक तस्वीर कैद की और रक्षा विज्ञान अकादमी ने इस हथियार प्रणाली की सटीकता, सुरक्षा और प्रभावशीलता की पुष्टि की। उत्तर कोरिया ने बताया कि उसने मिसाइल को अपने पूर्वी तट की ओर दागा। उसने अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।
दक्षिण कोरिया और जापान के आकलन के अनुसार, मिसाइल अधिकतम 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंची और कोरियाई प्रायद्वीप तथा जापान के बीच समुद्र में गिरने से पहले उसने 800 किलोमीटर की दूरी तय की। इन जानकारियों से पता चलता है कि उत्तर कोरिया ने 2017 के बाद से अपनी सबसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। उसने 2017 में तीन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था, जो अमेरिका के भीतर तक मार करने में सक्षम हैं। हवासोंग-12 जमीन से जमीन तक मार करने में सक्षम परमाणु संपन्न मिसाइल है। यह अधिकतम 4,500 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है। अमेरिका के ग्वाम क्षेत्र तक पहुंचने के लिए यह दूरी पर्याप्त है। उत्तर कोरिया ने इस महीने में यह सातवां परीक्षण किया है। एक के बाद एक परीक्षणलंबे समय से बाधित परमाणु वार्ता को लेकर अमेरिकी प्रशासन पर दबाव बनाने का संकेत देता है। रविवार के परीक्षण के बाद व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि वह ताजा मिसाइल परीक्षण को पिछले कई महीनों से चल रहे उकसावे वाले कृत्यों को बढ़ाने के तौर पर देखते हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि बाइडन प्रशासन की उत्तर कोरिया को यह दिखाने के मकसद से आने वाले दिनों में इस ताजा मिसाइल परीक्षण का जवाब देने की योजना है कि वह क्षेत्र में अपने सहयोगियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद, 100 से अधिक पूर्व सैनिक मारे गए : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि तालिबान के पिछले साल 15 अगस्त को अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से अफगानिस्तान की पूर्व सरकार, उसके सुरक्षा बलों और अंतरराष्ट्रीय सैनिकों के साथ काम करने वाले 100 से अधिक पूर्व सैनिक मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को विश्वसनीय माध्यमों से इस बाबत जानकारी मिली है। 'द एसोसिएटेड प्रेस' को रविवार को मिली रिपोर्ट में गुतारेस ने कहा कि तालिबान द्वारा पूर्व सरकार और अमेरिका के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना से संबद्ध लोगों के लिए 'सामान्य माफी' की घोषणा के बावजूद, तालिबान या उसके सहयोगियों पर 'दो-तिहाई से अधिक' लोगों की न्यायेतर हत्या का आरोप है।
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी गई रिपोर्ट में गुतारेस ने कहा कि अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक मिशन को आईएसआईएल-केपी के साथ संबद्धता के संदेह में कम से कम 50 लोगों की न्यायेतर हत्या किए जाने की विश्वसनीय माध्यमों से जानकारी मिली है। आईएसआईएल-केपी,
अफगानिस्तान में सक्रिय इस्लामिक स्टेट चरमपंथी संगठन है। गुतारेस ने कहा कि तालिबान के आश्वासन के बावजूद, पूर्व सरकार और गठबंधन के सदस्यों के 'जीवन के अधिकार को प्रभावित करने तथा अन्य उल्लंघनों' की जानकारी संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक मिशन को मिली है। गुतारेस ने कहा कि मानवाधिकार के रक्षक और मीडियाकर्मी भी 'हमले, धमकी, उत्पीड़न, मनमाने ढंग से गिरफ्तारी, दुर्व्यवहार और हत्या' जैसे अपराधों के शिकार हुए हैं।

रूस और यूक्रेन तनाव के बीच अमेरिका ने परमाणु बम गिराने का अभ्यास किया

कीव (एजेंसी)

रूस और यूक्रेन में जंग के मंडराते बादलों के बीच अमेरिका ने परमाणु बम गिराने का अभ्यास शुरू किया है। अमेरिकी परमाणु हथियारों का जिम्मा संभालने वाले स्ट्रेटजिक कमांड ने ग्लोबल लाइटनिंग अभ्यास शुरू किया है। व्यापक अभ्यास का मकसद अमेरिकी सेना की परमाणु युद्ध की तैयारियों को जांचना है। अमेरिका ने अभ्यास उस समय पर शुरू किया है जब काला सागर में रूसी नौसेना के युद्धपोत जोरदार युद्धाभ्यास कर रहे हैं। वहीं यूक्रेन की सीमा पर रूस ने 1 लाख सैनिकों को तैनात किया है। खबरों के मुताबिक परमाणु बम गिराने के अभ्यास की अमेरिका ने लंबे समय से योजना बनाई थी लेकिन अब रूस-यूक्रेन तनाव के बीच इसके शुरू करने पर विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन चेतावनी दे रहे हैं कि रूस-यूक्रेन पर हमला कर सकता है। उन्होंने अपने हजारों सैनिकों को भी पूर्वी यूरोप में तैनात करने का ऐलान किया है। इससे पहले अप्रैल 2021 में अमेरिका ने अंतिम बार ग्लोबल लाइटनिंग ड्रिल का आयोजन किया था। पिछले साल हुए अभ्यास में अमेरिकी सेना ने रूस के साथ काल्पनिक तनाव के दौरान परमाणु बम गिराने का अभ्यास किया था। बताया जा रहा है कि इस साल अमेरिकी सेना चीन के साथ तनाव के दौरान परमाणु युद्ध का अभ्यास करेगी। खबरों के मुताबिक अभ्यास के दौरान किसी परमाणु बम, या उसके लांच का अभ्यास नहीं किया जाएगा। इसकी जगह पर यूएस स्ट्रेटिक कमांड न्यूक्लियर कमांड और कंट्रोल के सर्किट और परमाणु युद्ध योजना के मुताबिक निर्णय निर्माण क्षमता का परीक्षण करेगी। इस परमाणु युद्ध योजना को साल 2019 में ही अपडेट किया गया है। इसमें अब आर्तकियों से निपटने की बजाय महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्द्धा पर फिर से फोकस करने पर जोर दिया गया है। इस ताजा अपडेट में कहा गया है कि अमेरिका पर अगर परमाणु हमला होता है,तब कुछ न कुछ सैनिक जरूर बच जाएंगे और जो बच जाएंगे वे दुश्मन देश पर तब तक परमाणु हमला करने वाले हैं।

चीनी न्यू ईयर 2022: क्या होता है लूनर न्यू ईयर, क्या है इसका इतिहास और महत्व

बीजिंग (एजेंसी)

लूनर न्यू ईयर को दुनिया के लगभग दो अरब लोग मनाते हैं। जिसे चीनी नव वर्ष और वसंत महोत्सव के रूप में भी जाना जाता है, यह दुनिया भर में चीनी समुदायों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें परंपराएं दूसरे से थोड़ी भिन्न होती हैं। उत्सव की शुरूआत शीतकालीन संक्रांति के बाद दूसरे चंद्रमा के उदय के साथ होती है। चीन में सोमवार यानी 31 जनवरी से धूमधाम सेस लूनर न्यू ईयर मनाया जा रहा है। दुनियाभर के बड़े देशों के नेताओं ने इस दिन की बधाई दी है। ऐसे में आज आपको बताते हैं कि आखिर क्या है लूनर न्यू ईयर 2022, इसका इतिहास क्या है और क्या मायने रखता है।

लूनर न्यू ईयर 2022 की तिथि

लूनर न्यू ईयर बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष समारोह के मुख्य दिन 31 जनवरी (नव वर्ष की पूर्व संध्या) और 1 फरवरी होंगे। लूनर न्यू ईयर प्रत्येक वर्ष एक ही तिथि को नहीं पड़ता है और चंद्रमा के चक्रों के अनुसार मनाया जाता है। यह आमतौर पर ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार प्रत्येक वर्ष 20 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है। प्रत्येक वर्ष राशि चक्र के 12 जानवरों में से एक के साथ जुड़ा हुआ है - चूहा, बैल, बाघ, खरगोश, अजगर, सांप, घोड़ा, बकरी, बंदर, मुर्गा, कुत्ता और सुअर। वर्ष 2022 बाघ का वर्ष है, जबकि 2021 बैल का वर्ष था।

समारोह

लोग अपने घरों को साफ करते हैं और पिछले साल के दुखों और दुर्भाग्य को पीछे छोड़ते हुए भाग्य और समृद्धि की कामना करते हैं। चीनी लोगों के लिए लाल रंग का बहुत महत्व है और इस दिन घरों को चमकीले लाल बैनरों से सजाया जाता है और बच्चों को लाल लिफाफे में पैसे दिए जाते हैं। लोग उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं, भव्य दावतों की मेजबानी करते हैं। अपने नए साल के जश्न को ढेर सारी आतिशबाजी, पटाखों, नाचते हुए ड्रेगन और शेरों के साथ चिह्नित करते हैं। यह उत्सव दो सप्ताह तक चलता है और इस वर्ष यह 15 फरवरी को पूर्णिमा के दिन लालटेन उत्सव के साथ समाप्त होगा।

इतिहास और महत्व

चीनी नव वर्ष 14वीं शताब्दी ईसा पूर्व का बताया जाता है। किंवदंतियां हैं कि प्राचीन काल में नियान नामक एक राक्षस था जिसने लोगों पर हमला किया और बहुत आतंक फैलाया। हालाँकि वह लाल रंग, पटाखों की आवाज और आतिशबाजी की दृष्टि से भयभीत था। लोगों ने उसे डराने और भगाने के लिए इन चीजों का इस्तेमाल किया। माना जाता है कि उस दिन से लोग चीनी नव वर्ष मनाते हैं।

अन्य देश जो लूनर न्यू ईयर मनाते हैं

पूर्वी एशियाई देशों ने भी इस दिन को धूमधाम से मनाया। वियतनाम, दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया और मंगोलिया जैसे देश इसे एक ही दिन अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाते हैं।

4 मार्च को आसमान में होगी भयंकर तबाही! चांद से टकराने वाला है अनियंत्रित रॉकेट, घटना का गवाह बनेगा भारत का चंद्रयान-2

बीजिंग/इस्लामाबाद (एजेंसी)

आसमान में गहरे राज छुपे हुए हैं और इन्हीं रहस्यों को जानने के लिए भारत का इसरो, अमेरिका का नासा और साथ में जापान, रूस, चीन व न जाने कितने ही देश अपने-अपने स्तर पर अंतरिक्ष के गूढ़ रहस्यों को बाहर लाने के लिए महंगे और चुनौतीपूर्ण मिशन कर रहे हैं। इसी लिस्ट में विश्व के सबसे अमीर शख्स एलेन मस्क की स्पेस कंपनी स्पेस एक्स भी शामिल है। स्पेस एक्स भी मंगल और चांद समेत कई अभियानों को अंजाम देने वाली है और दे भी रही है। लेकिन एलेन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स ने अंतरिक्ष में एक बड़ा खेल कर दिया है। जिससे एक बेकाबू रॉकेट की चांद पर भयंकर टक्कर होने वाली है और इस घटना का भारत का चंद्रयान-2 गवाह बनेगा।

अंतरिक्ष में क्या होने वाला है?

फरवरी 2015 की जब एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने फॉल्कन 9 रॉकेट से पर्यावरण पर नजर रखने वाले सैटेलाइट को अंतरिक्ष में 15 लाख किलोमीटर दूर पहुंचाया था। उसके बाद से रॉकेट का ईंधन खत्म हो गया। तब यह से 4400 किलोग्राम वजनी रॉकेट बूस्टर अंतरिक्ष में घूम रहा था। अब यह उम्मीद लगाई जा रही है कि 4 मार्च 2022 को यह रॉकेट चांद की सतह से 9288 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से टकराएगा। ये दावा नियर अर्थ ऑब्जेक्ट को ट्रैक करने वले बिल ग्रे ने किया है। 21 जनवरी को बिल ग्रे ने अपने ब्लॉग में लिखा की पांच जनवरी को एक स्पेस जंक चांद के बगल से गुजरा. जो 4 मार्च 2022 को चांद की सतह से टकरा सकता है।

क्या ऐसा पहली बार हो रहा है?

आपको बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं है कि चांद की सतह पर इंसानों द्वारा बनाया गया कोई रॉकेट टकरा रहा हो। इससे पहले भी सैटेलाइट चांद की सतह से टकरा चुके हैं। साल 2009 में अमेरिका का लूनर क्रेटर ऑब्जरवेशन एंड सेंसिंग सैटेलाइट चांद के दक्षिणी ध्रुव पर 9 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से टकराया था।

रॉकेट के गिरने की तस्वीर खींच सकता है चंद्रयान-2

ग्रे के मुताबिक, चंद्रमा की परिक्रमा कर रहे भारत के चंद्रयान-2 ऑर्बिटर और नासा के लूनर रेकॉन्सेन्स ऑर्बिटर फाल्कन 9 रॉकेट के गिरने की तस्वीर खींच सकते हैं। भारत ने चंद्रयान-2 मिशन को साल 2019 में सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। इसे देश के अंतरिक्ष इतिहास की एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा गया।

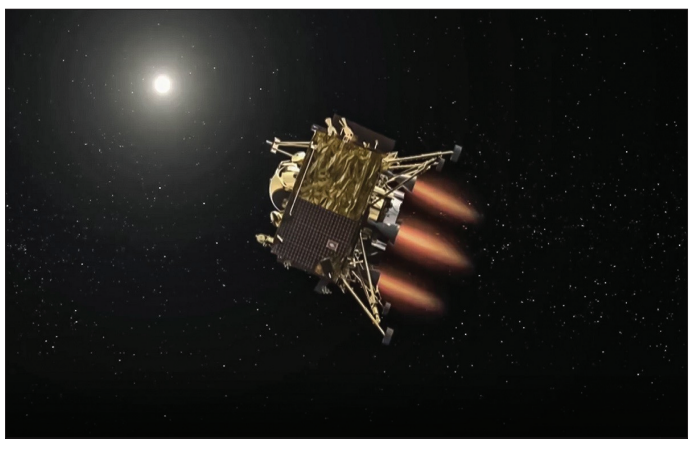

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

गौशाला में सैकड़ों गायों की लाशें मिलने पर बोले दिग्विजय सिंह, सरकार पर लगाए आरोप

भोपाल। राजधानी भोपाल में बीजेपी नेत्री निर्मला देवी शांडिल्य की गौशाला में सैकड़ों गायों की लाशें मिलने में बड़ा खुलासा हुआ है। गौशाला में गायों को चूने का पानी पिलाकर मारा जा रहा था। वहीं उनके चमड़े और हड्डियों का इस्तेमाल व्यापार में होता था। जिसके बाद कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने गायों की लाशें मिलने पर सीधे सीएम शिवराज सिंह चौहान और विश्व हिंदू परिषद पर निशाना साधा है। दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर सरकार पर कई बड़े आरोप लगाए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि सैंकड़ों गौ माता की हत्या करने वाली भाजपा और विश्व हिंदू परिषद संचालित गोशाला को शिवराज उर्फ.मामा उर्फ.मामू ने करोड़ों अनुदान दिया। गौसेवा नहीं, गौ हत्या के लिए चमड़ा और हड्डियों के व्यापार के लिए। उन्होंने कहा कि यदि आरोपी गैर भाजपा या गैर हिंदू होता तो अब तक उस पर एनएसए लग जाता उसके मकान तोड़ दिए जाते हैं लेकिन श्रीमती शांडिल्य भाजपा और वीएचपी नेता है उन्हें बचाने का प्रयास हो रहा है। अब तक गौ हत्या का प्रकरण दर्ज नहीं किया गया कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। उल्टा कांग्रेस के नेता पर एफआईआर दर्ज कर दी गई है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि अबतक गौ हत्या का प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है। कोई गिरफ़्तारी नहीं हुई। गौ हत्या करने वालों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई करने की लड़ाई कांग्रेस आखरी दम तक लड़ेगी। गृह मंत्री जी मौन क्यों हैं?

चुनाव आयोग का फैसला, 1000 लोगों की सभा को मिली इजाजत, 11 फरवरी तक बढ़ा रैलियों पर प्रतिबंध

नई दिल्ली। पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। इन 5 राज्यों में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर शामिल है। हालांकि देश में कोरोना वायरस की तीसरी लहर भी अपने चरम पर है। कोरोना वायरस की रफ्तार को देखते हुए चुनाव आयोग में चुनावी रैली और रोड शो पर रोक लगा रखी है। चुनाव आयोग ने 11 फरवरी तक रैलियों पर प्रतिबंध बढ़ा दिया है। हालांकि आज चुनाव आयोग की ओर से प्रचार के लिए राजनीतिक दलों को थोड़ी राहत जरूर दी गई है। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को 1000 लोगों के साथ चुनावी सभा करने की इजाजत दे दी है। इतना ही नहीं, अब 20 लोग डोर-टू-डोर कैंपेन भी कर सकते हैं। पहले इसकी संख्या 10 थी। इनडोर बैठक में भी अब 300 की जगह 500 लोग हिस्सा ले सकते हैं। ज्यादा लोगों के साथ रोड शो और चुनावी रैली पर अब भी पाबंदी लागू रहेगी। चुनाव ऐलान के साथ ही आयोग की ओर से रोडशो और चुनावी रैली पर प्रतिबंध लगाई गई थी जिसे 31 जनवरी तक बढ़ा दिया गया था। निर्वाचन आयोग ने चुनावी राज्यों में टीकाकरण की रफ्तार को और बढ़ाने के लिए कहा है।

सिद्धू ने मजीठिया को बताया परचा माफिया, बोले- अगर वादे पूरे नहीं किए तो छोड़ दूंगा राजनीति

अमृतसर। पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा गर्मता जा रहा है। इसी बीच पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता बिक्रम सिंह मजीठिया पर निशाना साधा और उन्हें परचा माफिया करार दिया। उन्होंने कहा कि मजीठिया ने कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है लेकिन मैंने किसी के खिलाफ एक भी मामला दर्ज नहीं कराया है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि उन्होंने (बिक्रम सिंह मजीठिया) कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। मैंने किसी के खिलाफ एक भी मामला दर्ज नहीं कराया है। सभी जानते हैं कि कांग्रेस एक मजबूत और सुरक्षित सरकार देगी। हम बनाएंगे नया पंजाब। कांग्रेस में चल रही गुटबाजी को लेकर पूछे गए सवाल पर सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस को कोई नहीं हरा सकता। खुद को कांग्रेस ही हरा सकती है। इसी बीच सिद्धू ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि अगर उनकी तरफ से किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं तो वह राजनीति छोड़ देंगे।

सिद्धू के नाम एक भी उपलब्धि नहीं

मजीठिया ने सिद्धू पर निशाना साधते हुए कहा था कि राजनीति में पिछले 18 वर्षों के दौरान नवजोत सिंह सिद्धू के नाम एक भी उपलब्धि नहीं है। वह और उनकी पत्नी शिअद-भाजपा और कांग्रेस सरकारों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन अमृतसर पूर्व के लिए कुछ नहीं किया। इसीलिए लोगों ने मुझसे वहां से चुनाव लड़ने और उनके अहंकारी और स्वार्थी शासन को खत्म करने की अपील की है।

संसद में कोविड-19 संबंधी नियमों का उल्लंघन करते नजर आए कई सांसद

नयी दिल्ली। संसद के बजट सत्र के पहले दिन, दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में सोमवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण के दौरान विभिन्न दलों के कई सांसद कोविड-19 से बचाव के लिए निर्धारित सामाजिक दूरी बनाए रखने के अहम नियम का उल्लंघन करते देखे गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, शीर्ष केन्द्रीय मंत्री और विभिन्न दलों के पहली दो पंक्तियों में बैठे सांसदों ने सामाजिक दूरी के नियम का पालन किया, लेकिन उनके पीछे की पंक्तियों में बैठे कई सदस्यों ने ऐसा नहीं किया। तीसरी पंक्ति में कई केन्द्रीय मंत्री भी बैठे थे। केंद्रीय कक्ष की कुछ बेंच में जहां पांच लोगों के बैठने की जगह थी, वहां सात सांसद बैठे दिखे। इस दौरान कई सांसद बात करते समय मास्क उतारे हुए नजर आए। कोविड-19 वैश्विक महामारी की तीसरी लहर के दौरान संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद सांसदों के केंद्रीय कक्ष गैलरी के साथ-साथ लोकसभा और राज्यसभा कक्षों में बैठने की व्यवस्था की गई है। बजट सत्र के दौरान संसद की कार्यवाही दो पालियों में होगी। सुबह राज्यसभा की और शाम को लोकसभा की कार्यवाही होगी।

सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर हुई कोरोना संक्रमित, बयान में कहा था- गोमूत्र पीने से कोई संक्रमण नहीं होता

नयी दिल्ली। भाजपा नेता और भोपाल से सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर की कोरोना वायरस रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से दी है। उन्होंने ट्वीट किया आज, मेरी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैं डॉक्टरों की देखरेख में हूं। पिछले 2 दिनों में मेरे संपर्क में आने वाले सभी लोगों से आग्रह किया जाता है कि वे सतर्क रहें और यदि आवश्यक हो तो परीक्षण भी करवाएं। भगवान से प्रार्थना करती हूं कि आप सभी स्वास्थ्य रहे।

राष्ट्रपति का अभिभाषण सिर्फ एक वर्ष का एजेंडा नहीं, भारत के लिए एक 'भविष्य की दृष्टि': नड्डा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कहा कि बजट सत्र के पहले दिन संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का अभिभाषण सिर्फ एक वर्ष का एजेंडा नहीं है बल्कि भारत के लिए एक 'भविष्य की दृष्टि' है। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि राष्ट्रपति कोविंद का अभिभाषण प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का देश के विकास की दूरदृष्टि की रूपरेखा है।

अभिभाषण में सरकार के विकास कार्यों के सभी आयामों का विस्तार से उल्लेख करने के लिए राष्ट्रपति का धन्यवाद करते हुए नड्डा ने कहा, 'यह एक साल का एजेंडा नहीं है बल्कि भारत के लिए एक भविष्य की दृष्टि है।' उन्होंने कहा, 'यह भारत के पुनर्निर्माण की रूप रेखा है, जिसमें स्पष्ट है कि आजादी के अमृत महोत्सव काल में हम कैसा भारतवर्ष चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर क्षेत्र में एक सशक्त भारत के निर्माण की ओर तेज गति से चल रही है।' नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार ने अंत्योदय की भावना से कोविड प्रबंधन, तीव्र गति से टीकाकरण, गरीबों को मुफ्त राशन, किसानों के बेहतर भविष्य, महिला सशक्तिकरण एवं देश के हर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित भाव से काम किया है।

उन्होंने कहा, 'आज भारत में सामाजिक न्याय के साथ सभी को समान अवसर मिल रहा है।' संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि सरकार के अथक प्रयासों से ही भारत एक बार फिर से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और सबका प्रयास' के मंत्र पर चलते हुए अगले 25 वर्ष के लिए मजबूत बुनियाद पर तेजी से काम कर रही है और इस बुनियाद का सबसे महत्वपूर्ण संकल्प एक सर्व-समावेशी, सर्व-हितकारी, सशक्त भारत का निर्माण और देश की आत्म-निर्भरता है।

महाराष्ट्र: कांग्रेस कार्यकताओं ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गोडसे की तस्वीर जलायी

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में कांग्रेस कार्यकताओं ने रविवार को महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की तस्वीर जलायी और विरोध प्रदर्शन किया। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस की भिवंडी इकाई के प्रमुख राशिद ताहिर के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शनकारियों ने गोडसे के खिलाफ और गांधी की प्रशंसा में नारे लगाए। ताहिर ने पत्रकारों से कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नाथूराम गोडसे पर आने वाली फिल्म के जरिए उसका महिमामंडन किया जा रहा है। उनका इशारा हिंदी फिल्म व्हाई आई किल्ड गांधी की ओर था जिसमें राकांपा सांसद और अभिनेता डॉ अमोल कोल्हे गोडसे की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग 2017 में हुई थी। ताहिर ने सरकार से फिल्म की रिलीज रोकने का आग्रह किया। ठाणे में, राकांपा के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के मंत्री जितेंद्र आव्हाड और कांग्रेस की शहर इकाई के प्रमुख विक्रांत चव्हाण ने महात्मा गांधी उद्यान में गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 126 से घटकर 70 रह गई: राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को कहा कि देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में कमी आई है और इनकी संख्या घटकर 126 से 70 रह गई है। बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि कार्बी-आंगलोंग के दशकों पुराने विवाद को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार, असम की राज्य सरकार एवं कार्बी समूहों के बीच समझौता हुआ है औ इससे इस क्षेत्र में शांति और खुशहाली का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। उन्होंने कहा, 'सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से आज देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या भी 126 से घटकर 70 रह गई है।'

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी किशन रेड्डी ने 21 सितंबर 2020 को राज्यसभा को सूचित किया था कि 11 राज्यों के 90 जिलों को वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित हैं और वह केंद्रीय गृह मंत्रालय की सुरक्षा संबंधी व्यय योजनाओं के अधीन है। रेड्डी ने यह भी कहा था कि वर्ष 2019 में वामपंथी उग्रवाद की घटनाएं 61 जिलों में दर्ज की गई थी जबकि वर्ष 2020 के पूर्वाध में 46 जिलों में घटनाएं दर्ज की गईं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2004 से 2020 के बीच नक्सलियों द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में 8380 लोगों की हत्या की गई थी। पूर्वोत्तर के राज्यों में शांति बहाली की दिशा में सरकार की ओर से किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इसमें सरकार को 'ऐतिहासिक सफलता' प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा, 'अभी कुछ महीने पहले ही कार्बी-आंगलोंग के दशकों पुराने विवाद को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार, असम की राज्य सरकार एवं कार्बी समूहों के बीच समझौता हुआ है। इससे इस क्षेत्र में शांति और खुशहाली का एक नया अध्याय शुरू हुआ है।

कड़वा सच यह है कि बहुत सारे भारतीय महिलाओं को इंसान नहीं समझते: राहुल गांधी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में 20 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार और उसकी पिटाई की घटना को लेकर सोमवार को कहा कि यह कड़वा सच है कि बहुत सारे देशवासी महिलाओं को इंसान नहीं समझते। उन्होंने ट्वीट किया, '20 वर्षीय महिला की निर्ममता से पिटाई किए जाने संबंधी वीडियो हमारे समाज का बहुत वीभत्स चेहरा सामने लाता है। कड़वा सच यह है कि बहुत सारे भारतीय, महिलाओं को इंसान नहीं समझते।'

गौरतलब है कि पूर्वी दिल्ली की एक कॉलोनी में पड़ोसियों द्वारा 20 वर्षीय महिला का कथित तौर पर अपहरण करने, उससे सामूहिक बलात्कार करने और सड़क पर उसे निर्वस्त्र घुमाने का मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने पीड़िता की छोटी बहन का भी उत्पीड़न किया था। पुलिस मामले में पहले ही नौ लोगों, आठ महिलाओं और एक पुरुष को गिरफ्तार कर चुकी है। पीड़िता के खिलाफ अपराध में कथित भूमिका के लिए तीन नाबालिग लड़कों को भी हिरासत में लिया गया है।

बच्चों की सुरक्षा केंद्रीय बजट का केंद्र बिंदु होना चाहिए, बाल अधिकार संगठनों की मांग

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

बाल अधिकार संगठनों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा केंद्रीय बजट का केंद्र बिंदु होना चाहिए और बाल श्रम के उन्मूलन के लिए आवंटन में वृद्धि और सामाजिक सुरक्षा-तंत्र को मजबूत करने में अधिक निवेश होना चाहिए। संगठनों ने यह भी कहा कि प्रभावी रोकथाम तंत्र की गति को तत्काल आधार पर तेज करने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को केंद्रीय बजट 2022-23 पेश करेंगी। कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक, ज्योति माथुर ने कहा कि केंद्रीय बजट में बच्चों के लिए बजट आवंटन के कुल प्रतिशत हिस्से में सुधार किया जाना चाहिए, और इसे कम से कम 2020-21 के स्तर पर बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यहां यह उल्लेख करना जरूरी है कि बच्चों के कल्याण के लिए आवंटित केंद्रीय बजट का प्रतिशत हिस्सा 3.16 प्रतिशत (2020-21) से घटाकर 2.46 प्रतिशत (2021-22) कर दिया गया है। यह पिछले 11 वर्षों में बच्चों के कल्याण के लिए आवंटित, बजट का सबसे कम हिस्सा है।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, अगर हम पिछले दो वर्षों के बजट आवंटन को देखें, तो बच्चों के कल्याण के लिए आवंटित कुल बजट में 2020-21 की तुलना में 2021-22 में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। माथुर ने कहा कि एक व्यापक राष्ट्रीय कार्य योजना के साथ बाल श्रम के उन्मूलन के लिए आवंटन में भी वृद्धि की जानी चाहिए। अन्य सुझावों में बंधुआ मजदूरों के पुनर्वास के लिए बढ़ा हुआ बजटीय आवंटन शामिल है, जो राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना (एनसीएलपी) के समग्र बजट मद का एक हिस्सा है। चाइल्ड राइट्स एंड यू, की मुख्य कार्यकारी अधिकारी पूजा मारवाह ने कहा कि बच्चों को किसी भी विकास विमर्श के केंद्र में रखा जाना चाहिए और यह केंद्रीय बजट का केंद्र बिंदु होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी ने बच्चों को शारीरिक, मानसिक रूप से प्रभावित तो किया ही, उन्हें पारिवारिक संकट, प्रवास, अलग-थलग रहने, पढ़ाई में बाधा तथा अन्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ा है।

आप नहीं जान पाएंगे राहुल गांधी कब छुट्टी पर चले जाएंगे और गोवा सरकार अस्थिर हो जाएगी: शाह

पणजी (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गोवा में युवाओं से उनके बेहतर भविष्य के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन करने की अपील की और कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि युवाओं को कभी पता नहीं चलेगा कि राहुल गांधी कब छुट्टी पर चले जाएंगे और राज्य में कब अस्थिरता पैदा हो जाएगी।

वास्को शहर में भाजपा के सोशल मीडिया कार्यकताओं के साथ बातचीत के दौरान शाह ने कहा कि केवल भाजपा ही युवाओं के बेहतर भविष्य की गारंटी दे सकती है। गोवा में 14 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले शाह एक दिवसीय दौरे पर आए थे।

शाह ने कहा कि गोवा अगले पांच साल में 'एजुकेशन हब' में तब्दील हो जाएगा, जिसकी योजना पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत मनोहर परिकर और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने तैयार की थी। शाह ने कहा कि दो महीने पहले ही गोवा में 'फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी' की नींव रखी गई थी। शाह ने कहा, 'ऐसी कई अन्य परियोजनाएं हैं जो पहले से ही गोवा के लिए स्वीकृत हैं।' उन्होंने कहा कि उच्चतम साक्षरता दर के कारण गोवा के शिक्षा केंद्र बनने की क्षमता है।

उन्होंने कहा, 'जब आईटी हब बनाया जाता है या कोई विश्वविद्यालय बनाया जाता है तो आपके पास गोवा में नौकरी के अवसर होंगे। इसलिए, मैं कहता हूं, आप सभी को कहीं (किसी अन्य राजनीतिक दल) नहीं जाना होगा क्योंकि अगर आप कांग्रेस का समर्थन करते हैं तो आपको कभी भी पता नहीं चलेगा कि राहुल बाबा कब छुट्टी पर जाएंगे और गोवा सरकार अस्थिर हो जाएगी।'

शाह परोक्ष रूप से गोवा में कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति की ओर इशारा कर रहे थे। पिछले पांच वर्षों में दलबदल के कारण कांग्रेस को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

मोदी-योगी सरकारों में 'घर जमाई' बन गई है 'डायन' महंगाई : रणदीप सुरजेवाला

लखनऊ। (एजेंसी)

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने सोमवार को महंगाई के मुद्दे पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जो 'डायन' महंगाई है वह मोदी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) - योगी (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) सरकारों में 'घर जमाई' बन गई है। उन्होंने महंगाई से मुक्ति के लिए भाजपा की सरकार से मुक्ति पाने का अनुरोध किया। कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने सोमवार को यहां कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में महा महंगाई, भाजपा लाई पुस्तक का लोकार्पण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में 2014 में कांग्रेस सरकार और सात वर्षों में बढ़ी महंगाई का फर्क समझाते हुए कहा कि जो डायन महंगाई है, वह मोदी-योगी सरकारों में घर जमाई बन गई है।

उन्होंने केंद्र और राज्य की भाजपा नीत सरकारों पर प्रहार करते हुए दावा किया, एक तरफ देश के लोगों को महंगाई की आग में झोंक दिए तो दूसरी तरफ सात साल में भाजपा की संपत्ति 780 करोड़ से बढ़कर 4850 करोड़ हो गयी यानी साढ़े पांच सौ प्रतिशत बढ़ गई और हम दो, हमारे दो की संपत्ति हर रोज एक हजार करोड़ बढ़ रही है।' एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैं किसान हूं और इस देश के 62 करोड़ किसान की पीड़ा मेरे मन को कचोटती है, यह पहली सरकार है जिसने खाद, कीटनाशक दवाइयों पर कर लगाया है। ट्रैक्टर और खेती के उपकरणों पर भी कर लगा दिया है। उन्होंने दावा किया कि नरेंद्र मोदी और अजय सिंह बिष्ट (योगी आदित्यनाथ का संत होने से पहले का नाम) ने साढ़े 17 लाख करोड़ रुपये किसान की जेब से निकाला है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि मोदी जी अलग और अजय सिंह बिष्ट जनता की अलग जेब काटते हैं और दोनों जेब काटते हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि महंगाई मुद्दा है लेकिन कई बार राजनेताओं के शोरगुल में यह दिखता नहीं है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस की लड़ाई महंगाई और बेरोजगारी से है और पहली लड़ाई उनसे है जो मठाधीश दिल्ली और लखनऊ दोनों में सात साल से और एक पांच साल से लोगों की जिंदगियां लूट रहे हैं, पहली लड़ाई उनसे हैं।

चुनाव में सत्तारूढ़ दल के प्रचार प्रसार पर कटाक्ष करते हुए सुरजेवाला ने कहा, चुनाव में श्मशान, कब्रिस्तान, तमंचा और दो लड़के, एक दूसरे के लिए गाली गलौज और हर बार की तरह फिर विभाजन की कोशिश सब चीजें उप्र के चुनाव में चल रही हैं सिवाय उनके जिनका उप्र और देश की जिंदगी पर असर पड़ता है-महंगाई और बेरोजगारी। उन्होंने कहा, 'इन दोनों (महंगाई-बेरोजगारी) को तमंचे से मारिए या इत्र छिड़क मारिए, कैसे मारेंगे, यह सरकार की जिम्मेदारी का हिस्सा है, उन्हें श्मशान में जलाइए या कब्रिस्तान में दफनाइए, पर भगवान के लिए, ईश्वर के लिए इसका हल निकालिए क्योंकि यही लोगों की जिंदगी का मसला है।

महंगाई पर जारी कांग्रेस की पुस्तिका की चर्चा करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि महा महंगाई, भाजपा लाई पुस्तक का शीर्षक इसलिए दिया क्योंकि 'यही इस देश और प्रदेश का सत्य है। इसलिए हम कहते हैं कि भाजपा को हराइए, महंगाई पर विजय पाइए। कांग्रेस नेता ने एक शेर पढ़ा, जिन्हें सौंपी थी रोशनी की रहनुमाई, बुझाकर चिराग वो दे रहे हैं उजाले की दुहाई और कहा कि मोदी और योगी सरकार जब यह शब्द जुबां पर आते हैं तो लोगों का ख्याल सीधे खाली जेब पर जाता है और यह बात उठती है कि एक तो आमदनी कर दी कम और दूसरी तरफ महंगाई का गम। उन्होंने कहा, सुबह उठकर जब लोग चाय बनाते हैं तो गैस का सिलेंडर एक हजार रुपये पा रहे हैं, खाने का तेल दो सौ रुपये, और दफ्तर जाते हैं तो पेट्रोल सौ रुपये में भराते हैं और घर लौटते हुए राशन खरीदते तो कई गुना दाम चुकाते हैं।' उन्होंने कहा, मोदी और योगी की सरकार जिस जनता के नमक की सौगंध खाकर सत्ता में आई थी उसकी कीमत भी दोगुनी कर दी। महंगाई का आंकड़ा प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा, लोग सुकून से अब एक प्याला चाय नहीं पी सकते हैं क्योंकि 2014 में जब कांग्रेस की सरकार गई तो जो चाय 130-140 रुपये किलो थी, वह आज 400-500 रुपये किलो हो गई। दाल, चना, राजमा, टमाटर, अरहर, मटर, मूंग सब कुछ लोगों की थाली से दूर होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के लोगों की जेब काटी जा रही है पर भाजपा की संपत्ति बढ़ रही है। सुरजेवाला ने कहा कि पिछले 12 साल में सबसे ज्यादा 14.23 प्रतिशत थोक महंगाई बढ़ गई है और खुदरा महंगाई लगभग छह प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने पिछले सात साल में पेट्रोल डीजल पर कर लगाकर 24 लाख करोड़ रुपये कमाया है, अगर 2014 में कांग्रेस सरकार के समय की एक?साइज डयूटी हो तो आज पेट्रोल की कीमत लखनऊ में साढ़े 26 रुपये कम हो जाएगी और डीजल की कीमत सवा 25 रुपये कम हो जाएगी। उन्होंने बढ़ी हुई महंगाई का विस्तार से ब्यौरा देते हुए रेल किराये में वृद्धि का उदाहरण दिया और कहा कि कांग्रेस के समय 32 पैसे प्रति किलोमीटर रेल भाड़ा था लेकिन मोदी जी और योगी ने उस भाड़े को एक रुपये दस पैसे प्रति किलोमीटर कर दिया है, यानी 343 प्रतिशत की वृद्धि हो गई। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अब तक जो भी टीके सरकारों ने लगवाए मुफ़्त लगाए लेकिन पहली बार मोदी जी ने टीका लगवाने के पैसे लिए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई